RNI-UPHIN/2009/30721

बुधवार 15 अक्टूबर 2025
सुर्योदय प्रातः 06 :22 बजे
सूर्यास्त सांय 17 : 52 बजे

www.khabariya.com

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 ट्रंप टैरिफ के बाद भारत, अमरीका व विश्व

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्षः 16 | अंक : 361 | गाजियाबाद, बुधवार 15 अक्टूबर 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

केनरा बैंक Canara Bank
SCAN & PAY
UPI ID: 300012627000246@cnrb
BHIM UPI
Canara ai1 CBDC Paytm
Cred PhonePe Google Pay
e₹ DIGITAL RUPEE ACCEPTED HERE

NCR MASALA
India's Premium Masala
9410855900
ncrmasala@gmail.com
get online www.ncrmasala.com
गर्म मसाला, हल्दी, मिर्च, धनिया, जीरा व अन्य रसोई मसाले

तालिबानी मंत्री के स्वागत पर भड़के जावेद अख्तर बोले-ये महिलाओं पर जुल्म ढाने वाले

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। मशहूर गीतकार जावेद अख्तर ने तालिबानी विदेश मंत्री के भारत में भव्य स्वागत पर अपनी नाराजगी जाहिर की है। उन्होंने खरे शब्दों में तालिबान को महिलाओं पर जुल्म ढाने वाली और उनके हक का हनन करने वाली इस्लामिक संगठन बताया है। लेखक और गीतकार जावेद अख्तर ने एक्स पर पोस्ट कर अपनी नाराजगी खुलेआम जाहिर की। बता दें कि ये पहला मौका नहीं है जब जावेद अख्तर ने किसी राजनैतिक मामले में अपना पक्ष रखा है। वो इससे पहले भी कई बार राजनीति और समाज से जुड़े मुद्दों पर खुलकर अपनी बात रख चुके हैं। हाल ही में जावेद अख्तर ने सेंसर बोर्ड पर तंज कसते हुए फिल्म इंडस्ट्री की मर्दानी सोच पर प्रहार किया था। उन्होंने कहा था कि आज भी ज्यादातर फिल्में मर्दों के लिए बनती हैं।

संघ की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक 30 से जबलपुर में

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक इस वर्ष संघ के शताब्दी वर्ष के अवसर पर मध्य प्रदेश के जबलपुर में आयोजित की गयी है। यह बैठक दीपावली के बाद 30-31 अक्टूबर तथा 1 नवम्बर (युगाब्द 5127, विक्रमी संवत 2082, कार्तिक शुक्ल अष्टमी, नवमी एवं दशमी) को संपन्न होगी। संघ के अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेकर ने बताया कि बैठक में सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत, सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले, सभी सह सरकार्यवाह, अखिल भारतीय कार्य विभाग प्रमुख और कार्यकारिणी सदस्य शामिल होंगे। संघ के 46 प्रांतों के प्रांत संघचालक, कार्यवाह और प्रचारक भी उपस्थित रहेंगे। हाल ही में विजयादशमी पर नागपुर सहित देशभर में संघ के शताब्दी वर्ष का शुभारंभ हुआ था। सरसंघचालक के उस अवसर पर नागपुर में दिए गए उद्बोधन में उठाए गए मुद्दों पर इस बैठक में चर्चा की जाएगी।

बिहार विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने 71 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। भाजपा ने बिहार विधानसभा चुनाव के लिए मंगलवार को 71 उम्मीदवारों की अपनी पहली सूची जारी की, जिसमें उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा को क्रमशः तारापुर और लखीसराय सीट से टिकट दिया गया है। पूर्व उपमुख्यमंत्री तारकिशोर प्रसाद और राज्य मंत्री रेणु देवी को क्रमशः कटिहार और बेतिया से उम्मीदवार बनाया गया है। भाजपा द्वारा जारी सूची के अनुसार, राज्य मंत्री नीतीश मिश्रा फिर से झंझारपुर सीट और मंगल पांडे सीवान से चुनाव लड़ेंगे। श्रेयसी सिंह जमुई सीट से चुनाव लड़ेंगी। बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में छह और 11 नवंबर को होगा।

वक्फ संपत्तियों के पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने की मांग वाली याचिकाओं पर 28 को सुनवाई

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने एआईएमआईएम नेता असदुद्दीन ओवैसी की उस याचिका पर सुनवाई 28 अक्टूबर के लिए सूचीबद्ध की है जिसमें 'वक्फ बाय यूजर' सहित सभी वक्फ संपत्तियों के 'उम्मीद' पोर्टल में अनिवार्य पंजीकरण के लिए समय बढ़ाने का अनुरोध किया गया है। प्रधान न्यायाधीश बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन की पीठ से वकील निजाम पाशा ने आग्रह किया कि याचिका को तत्काल सूचीबद्ध करने की आवश्यकता है क्योंकि छह महीने की अनिवार्य समय अवधि समाप्त होने वाली है। मंगलवार को एक और ऐसी ही याचिका पर तत्काल सुनवाई का अनुरोध किया गया। पीठ ने कहा कि वह नई याचिका को भी सूचीबद्ध करने पर विचार करेगी।

जैसलमेर जिले में थईयात गांव के पास हुए बस हादसे में 20 की मौत, 15 घायल

✷ वेबवार्ता. जैसलमेर ✷

राजस्थान के जैसलमेर जिले में थईयात गांव के पास जोधपुर जा रही बस में मंगलवार अपराह्न अचानक आग लग जाने से 20 यात्रियों की मौत हो गई जबकि 15 झुलस गये। विधायक महंत प्रताप पूरी ने देर रात मीडिया को घटना की जानकारी देते हुए बताया कि बस में आग लगने से 19 लोगों की जलने से मौके पर मृत्यु हो गई जबकि एक गंभीर रुप से झुलसे एक व्यक्ति ने जोधपुर रैफर करने के बाद राश्ते में दम तोड़ दिया।

उन्होंने बताया कि मृतकों की शिनाख्त डीएनए जांच के माध्यम से की जायेगी और इसके लिए सैम्पल लिए गए हैं। उन्होंने कहा कि घटना की जांच भी कराई जायेगी। उन्होंने बताया कि बस में आग शार्ट सर्किट के द्वारा लगी हैं। नई बस थी और संकट द्वार भी छोटा और पीछे की तरफ था इस कारण कई यात्री बाहर नहीं निकल पाये।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने घटनास्थल का दौरा किया और हादसे को लेकर भावुक एवं दुखी थे। उन्होंने मुआवजे के सवाल पर कहा कि मुआवजा सहित सभी पर विचार किया जायेगा। उन्होंने बताया कि जैसलमेर से जिन घायलों को जोधपुर भेजा गया हैं उनकी हालत खतरे से बाहर हैं और उनके इलाज के लिए पूरी व्यवस्था कर ली गई हैं। हादसे के बाद राज्यपाल हरिभाऊ किसनराव बागडे, श्री शर्मा, विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष मदन दिलावर, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत सहित कई नेताओं ने बस दुखांतिका पर गहरा दुख प्रकट किया हैं और ईश्वर से घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

न्याय पाने को भटक रहा है पूरन कुमार का परिवार : प्रियंका

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा है कि आत्महत्या करने वाले हरियाणा के आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार के परिवार के सदस्य न्याय पाने के लिए दर दर भटक रहे हैं।

लेकिन उनकी कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है। श्रीमती वाड्रा ने मंगलवार को यहां सोशल मीडिया एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि आईपीएस अधिकारी की आत्महत्या के लिए जिम्मेदार लोगों को दंडित किया जाना चाहिए।

लेकिन परिवार के लोगों को न्याय नहीं मिल रहा है। वे दर दर की ठोकरें खा रहे हैं मगर उनकी बात को नहीं सुना जा रहा है।

उन्होंने लिखा 'हरियाणा के वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार ने हाल ही में जातिगत उत्पीड़न से तंग आकर आत्महत्या कर ली थी। उनका परिवार न्याय के लिए भटक रहा है लेकिन कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

यह पूरा प्रकरण इस बात का सबूत है कि भाजपा राज में ऊंचे पदों पर पहुंचकर भी दलित समाज के लोग सुरक्षित नहीं हैं और न ही उनके लिए न्याय है। ऐसी शर्मनाक घटनाएं देश और समाज के लिए कलंक हैं।'

श्रीमती गांधी ने कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने चंडीगढ़ में वाई पूरन कुमार के परिवार के सदस्यों से मुलाकात कर उनका दुख साझा करते हुए इस मामले में सख्त कार्रवाई किए जाने की मांग की है।

पूरण कुमार की मौत दलितों के सम्मान का मामला, पीएम, सीएम तुरंत कार्रवाई करें : राहुल

✷ वेबवार्ता. चंडीगढ़/नई दिल्ली ✷

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को कहा कि हरियाणा के पुलिस अधिकारी वाई पूरण कुमार की मौत एक परिवार के सम्मान का मामला नहीं है, बल्कि यह सभी दलितों के सम्मान का मामला है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से मामले में तत्काल कार्रवाई करने को कहा और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों को गिरफ्तार करने की मांग की।

पिछले हफ्ते चंडीगढ़ स्थित अपने आवास पर मृत पाए गए वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के परिवार से मिलने के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए गांधी ने कहा कि कुमार का मनोबल तोड़ने और उनके करियर को नुकसान पहुंचाने के लिए उनके साथ सुनियोजित भेदभाव किया जाता रहा। आईपीएस अधिकारी के शरीर पर गोली लगने के निशान थे।

उनकी यह टिप्पणी राज्य सरकार द्वारा सोमवार देर रात राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) शत्रुजीत कपूर को छुट्टी पर भेजे जाने के कुछ घंटों बाद आई है। इससे पहले सरकार ने रोहतक के पूर्व पुलिस अधीक्षक (एसपी) नरेंद्र बिजारणिया का तबादला कर दिया था।

कुमार (52) ने कथित तौर पर आठ पन्नों का अंतिम नोट छोड़ा था जिसमें हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर और अब स्थानांतरित रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारणिया सहित आठ वरिष्ठ आईपीएस अधिकारियों पर ''जाति-आधारित भेदभाव, लक्षित मानसिक उत्पीड़न, सार्वजनिक अपमान और अत्याचार'' का आरोप लगाया गया है। गांधी सुबह कुमार की पत्नी एवं हरियाणा की वरिष्ठ नौकरशाह अमनीत पी. कुमार, उनकी दो बेटियों और परिवार के अन्य सदस्यों से मिलने चंडीगढ़ पहुंचे और अंतिम संस्कार पर

गूगल की निवेश योजना को देश को टेक्नोलॉजी नेतृत्व देने वाली : प्रधानमंत्री

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी टेक कंपनी गूगल की निवेश योजना को विकास के लिए उपयोगी और भारत को वैश्विक टेक्नोलॉजी लीडर के रूप में स्थापित करने वाला बताया है। गूगल आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) हब और गीगावॉट-स्केल डाटा सेंटर विकसित करने के लिए 15 अरब अमेरिकी डॉलर का निवेश करेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अलावा केन्द्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण, केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और उद्योगपति गौतम अडानी सहित कई प्रमुख हश्तियों ने इस पर खुशी जाहिर करते हुए इसे देश की डिजिटल प्रगति, युवाओं के लिए अवसर और एआई नेतृत्व की दिशा में बड़ा कदम बताया है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एक्स पर अपने पोस्ट में कहा कि उन्हें विशाखापत्तनम जैसे गतिशील शहर में गूगल एआई हब के शुभारंभ से बेहद प्रसन्नता हुई है।

यह बहुआयामी निवेश गीगावॉट-स्केल डाटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर को भी शामिल करता है, जो विकसित भारत के उनके विजन से मेल खाता है। यह तकनीक को लोकतांत्रिक बनाएगा, सभी के लिए एआई सुनिश्चित करेगा और भारत को वैश्विक टेक्नोलॉजी लीडर के रूप में स्थापित करेगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक्स पर लिखा कि गूगल द्वारा निवेश की घोषणा एक बड़ा अवसर है। भारत प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदर्शी नीतियों के कारण अब डिजिटल नेतृत्वकर्ता बन गया है और जल्द ही एआई और क्वांटम जैसे क्षेत्रों में भी अग्रणी होगा। उन्होंने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू और आईटी मंत्री लोकेश नारा की पहल की सराहना की। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि गूगल का यह 15 अरब डॉलर का निवेश विश्वस्तरीय एआई हब और डाटा सेंटर के निर्माण में होगा। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू को धन्यवाद देते हुए कहा कि उनके विजन और तेजी से अमल की वजह से यह संभव हुआ है। एआई के इस युग में भारत को अग्रणी बनाए रखने के लिए युवाओं को री-स्किल और अप-स्किल करना बेहद जरूरी है।

डब्ल्यूएचओ ने भारत की तीन सिरप को बताया खतरनाक, बच्चों की मौत के बाद मचा हड़कंप

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने भारत में बनी तीन मिलावटी दवाओं की पहचान की है, जिनमें सबसे ज्यादा चर्चा में रही कोल्ड्रिफ कफ सिरप शामिल है। यह सिरप भारत के तमिलनाडु राज्य में स्थित श्रीसन फार्मास्युटिकल्स नामक कंपनी द्वारा बनाई गई थी। कुछ ही हफ्ते पहले मध्य प्रदेश में कई बच्चों की मौत के बाद यह मामला सामने आया, जिससे पूरे देश में चिंता बढ़ गई।

डब्ल्यूएचओ की जांच में पाया गया कि कोल्ड्रिफ सिरप में एक जहरीला रसायन डायथिलीन ग्लाइकोल (डीईजी) बहुत अधिक मात्रा में मिला है। बता दें कि डीईजी एक ऐसा केमिकल है जो शरीर के लिए बेहद नुकसानदायक होता है।

यह किडनी और लिवर को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है और बच्चों के लिए यह जानलेवा साबित हो सकता है। कोल्ड्रिफ सिरप में इस रसायन की मात्रा 48 प्रतिशत से भी ज्यादा पाई गई, जबकि सुरक्षित मात्रा केवल 0.1 प्रतिशत तक होनी चाहिए।

कोल्ड्रिफ के अलावा दो और सिरप भी डब्ल्यूएचओ की चेतावनी में शामिल हैं। पहली रेडनेक्स फार्मास्युटिकल्स की रेस्पिफ्रेश टीआर और दूसरी शेप फार्मा की रीलाइफ। डब्ल्यूएचओ ने सभी देशों से अपील की है कि अगर ये सिरप किसी भी देश में मिलते हैं तो इसकी जानकारी तुरंत डब्ल्यूएचओ को दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

कोल्ड्रिफ सिरप को लेकर जब जांच हुई, तो श्रीसन फार्मास्युटिकल्स की दवा बनाने की अनुमति सरकार ने तुरंत रद्द कर दी। साथ ही कंपनी के मालिक जी. रंगनाथन को गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद तमिलनाडु राज्य में सभी दवा कंपनियों की फैक्ट्रियों की गहन जांच शुरू कर दी गई है, ताकि यह देखा जा सके कि कहीं और भी गुणवत्ता में कोई लापरवाही तो नहीं बरती जा रही।

मंगोलिया के नागरिकों को निशुल्क ई-वीजा देगा भारत : पीएम

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री ने भारत को मंगोलिया के विकास में मजबूत और विश्वसनीय साझेदार बताते हुए दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष पूरे होने के मौके पर मंगोलिया के नागरिकों के लिए निशुल्क ई-वीजा की घोषणा की है।

श्री मोदी ने भारत की यात्रा पर आए मंगोलिया के राष्ट्रपति हुरेलसुख उखना के साथ यहां द्विपक्षीय वार्ता के बाद संयुक्त वक्तव्य में कहा कि भारत मंगोलिया के विकास में एक दृढ़ और विश्वसनीय साझेदार रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति हुरेलसुख की यात्रा ऐसे समय पर हो रही है जब भारत और मंगोलिया के बीच राजनयिक संबंधों के 70 वर्ष और रणनीतिक भागीदारी के 10 वर्ष पूरे हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि छह वर्ष के बाद मंगोलिया के राष्ट्रपति का भारत आना अपने आप में एक बहुत विशेष अवसर है। प्रधानमंत्री ने इस मौके पर महत्वपूर्ण निर्णय की घोषणा करते हुए कहा कि भारत मंगोलिया के नागरिकों को निःशुल्क ई-वीजा देगा और हर वर्ष मंगोलिया से युवा 'कल्चरल एम्बेसडर्स' की भारत यात्रा की भी व्यवस्था करेगा। श्री मोदी ने कहा कि दोनों देशों के बीच दस वर्ष पहले हुई रणनीतिक साझेदारी का विश्तार हुआ है और यह प्रगाढ हुई है।

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा और सुरक्षा सहयोग भी लगातार मजबूत हो रहा है। प्रधानमंत्री ने कहा, ''भारत और मंगोलिया के संबंध केवल राजनयिक नहीं है यह हमारे बीच आत्मीय और आध्यात्मिक बंधन है। हमारे संबंधों की असली गहराई और व्यापकता हमारे लोगों के बीच संपर्क में दिखाई पड़ती है।''

प्रधानमंत्री ने दोनों देशों के बीच अध्यात्मिक संबंधों का उल्लेख करते हए कहा कि अगले वर्ष भगवान बुद्ध के दो महान शिष्यों - सारिपुत्र और मौद्गल्या-यन के पवित्र अवशेष भारत से मंगोलिया भेजे जाएंगे।

लद्दाख हिंसा : वांगचुक की पत्नी की याचिका पर सुनवाई 15 अक्टूबर तक स्थगित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

उच्चतम न्यायालय ने सोनम वांगचुक की पत्नी गीतांजलि जे. अंगमो की याचिका पर सुनवाई स्थगित करते हुए इसके लिए 15 अक्टूबर की तारीख तय की है।

याचिका में जलवायु कार्यकर्ता की राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत को चुनौती दी गई है और उनकी तत्काल रिहाई का अनुरोध किया गया है। न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन.वी. अंजारिया की पीठ ने समय की कमी के कारण मामले में सुनवाई के लिए बुधवार का समय दिया। शीर्ष अदालत ने छह अक्टूबर को केंद्र और केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख को नोटिस जारी किए थे। अदालत ने हिरासत का कारण बताने के अनुरोध वाली उनकी याचिका पर कोई आदेश पारित करने से इनकार कर दिया और मामले की सुनवाई 14 अक्टूबर तक स्थगित कर दी।

वांगचुक को 26 सितंबर को कड़े राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत हिरासत में लिया गया था। इससे दो दिन पहले लद्दाख को राज्य का दर्जा और छठी अनुसूची का दर्जा देने की मांग को लेकर हिंसक प्रदर्शन हुए थे, जिसमें केंद्र शासित प्रदेश में चार लोगों की मौत हो गई थी और 90 लोग घायल हो गए थे।

बिना एमसीएमसी की मंजूरी के कोई विज्ञापन सोशल मीडिया या इंटरनेट पर नहीं होगा प्रकाशित

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

बिहार विधानसभा चुनाव और अन्य राज्यों में उपचुनाव से पहले चुनाव आयोग ने सोशल मीडिया और डिजिटल प्रचार के लिए दिशानिर्देश जारी किए हैं।

अब सभी राजनीतिक विज्ञापनों के लिए मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी) से पूर्व-प्रमाणन, उम्मीदवारों को नामांकन के समय अपने सोशल मीडिया खातों की जानकारी और राजनीतिक दलों को चुनाव के 75 दिनों के भीतर डिजिटल प्रचार पर हुए खर्च का विवरण आयोग को देना अनिवार्य कर दिया गया है।

आयोग ने निर्देश दिया कि बिना एमसीएमसी की मंजूरी के कोई भी राजनीतिक विज्ञापन सोशल मीडिया या इंटरनेट पर प्रकाशित नहीं होगा।

इसके लिए जिला और राज्य श्तर पर मीडिया प्रमाणन एवं निगरानी समिति (एमसीएमसी) का गठन किया गया है, जो सोशल मीडिया सहित सभी इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों पर प्रसारित होने वाले विज्ञापनों की जांच करेगी और पेड न्यूज के संदिग्ध मामलों पर आवश्यक कार्रवाई करेगी।

नामांकन के समय उम्मीदवारों से उनके सोशल मीडिया खातों की जानकारी ली जाएगी, जिससे आयोग उनके डिजिटल प्रचार की निगरानी कर सके। जनप्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 77(1) और उच्चतम न्यायालय के निर्देशों के तहत चुनाव प्रचार खर्च की जानकारी देना अनिवार्य किया गया है।

इस खर्च में इंटरनेट कंपनियों और वेबसाइटों को किए गए भुगतान, प्रचार सामग्री के निर्माण, सोशल मीडिया खातों के संचालन से जुड़े व्यय और अन्य डिजिटल प्रचार संबंधी खर्च शामिल होंगे।

संक्षिप्त समाचार

25 साल बाद शुभांगी अत्रे लौटीं अपने गांव

मुंबई, एजेंसी। एण्डटीवी के शो 'भाबीजी घर पर हैं' में प्यारी अंगूरी भाबी का किरदार निभा रहीं शुभांगी अत्रे ने 25 साल बाद अपने पुराने गांव का दौरा किया। उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने सफर की झलक साझा की, जिसमें खेतों की हरियाली, पास का मंदिर और परिवार के साथ बिताए खास पल दिखाए गए। शुभांगी अत्रे उर्फ अंगूरी भाबी ने अपनी भावनाओं को साझा करते हुए कहा, 25 साल बाद इंदौर के अपने गांव लौटना ऐसा था जैसे मैंने कुछ ही पलों में मेरा पूरा बचपन फिर से जी लिया। हर गली, हर कोना अपनी एक कहानी कह रहा था। वही पुल जहाँ मैं खेला करती थी, वही मंदिर जहाँ मैं बचपन में पूजा किया करती थी, और अपने पुराने दोस्तों और परिवार से मिलना– सब कुछ बहुत ही जादुई और भावुक अनुभव था। यह मुझे मेरी मासूमियत और सादगी की याद दिलाता है, जिसने आज की मेरी पहचान बनाई। समय जैसे थम गया और बचपन की सारी यादें एकदम ताज़ा हो गईं। अपने गांव लौटना मेरे लिए दिल को शांति और खुशियों से भर देने वाला अनुभव था।

गंगा माई की बेटियां जिंदगी का आईना दिखाती है: अमनदीप

मुंबई, एजेंसी। ज़ी टीवी के दिलचस्प फैमिली ड्रामा गंगा माई की बेटियां को वाराणसी के खूबसूरत घाटों के बीच महिलाओं की हिम्मत और जज़्बे को दिखाने के लिए सराहा गया है। इस कहानी के केंद्र में है स्नेहा, जिसे अमनदीप सिद्धू ने निभाया है – गंगा माई (शुभांगी लाटकर) की बहादुर, समझदार और बेहद आत्मनिर्भर बेटी। इस बातचीत में अमनदीप बताती हैं कि उन्होंने स्नेहा के किरदार को कैसे जिया, उसके लिए क्या तैयारी की और क्यों उन्हें लगता है कि गंगा माई की बेटियां जैसी कहानियां आज भी दर्शकों के लिए प्रेरणा और सोच बदलने का जरिया बन सकती हैं। गंगा माई की बेटियां सिर्फ कहानी नहीं सुनाती, बल्कि जिंदगी का आईना दिखाती है। इस शो की खासियत यही है कि यह एक अकेली मां और उसकी बेटियों की कहानी के जरिए इन मूल्यों का जश्न मनाता है। मुझे इसमें उन कई महिलाओं की झलक दिखती है जो अपने जीवन में रोज मजबूती से खड़ी रहती हैं – चाहे वो परिवार में हों।

कबूतरों के चलते हुआ गजब खेला

मुंबई, एजेंसी। जैन मुनि नीलेशचंद्र विजय ने बीएमसी के दादर उपनगर में कबूतरखाना और मुंबई के अन्य कबूतर–खिलाने की जगहों को बंद करने के खिलाफ हथियार उठाने की धमकी दी थी। हालांकि, बाद में उन्होंने कहा कि उनका इरादा शांतिपूर्ण तरीके को लेकर था। अब जैन समुदाय ने अपने राजनीतिक दल 'शांतिदूत जनकल्याण पार्टी' की घोषणा की है, जिसका चिह्न कबूतर रखा गया है। यह कदम लंबे समय से टल रहे बीएमसी चुनावों से पहले उठाया गया है। ऐसे में मुंबई के राजनीतिक हलकों में हलचल मच गई है। बीएमसी भारत की सबसे धनी नागरिक संस्था है। यहां 2017 के बाद से चुनाव नहीं कराए गए हैं। मुंबई में जैन समुदाय की अच्छी–खासी संख्या है। यह नई पार्टी कई वार्डों में मतों को प्रभावित कर सकती है या कम से कम वोटों का बंटवारा कर सकती है। बीएमसी फिलहाल किसी भी निर्वाचित राजनीतिक दल के नियंत्रण में नहीं है। इसे राज्य की ओर से नियुक्त प्रशासक ऑपरेट कर रहे हैं। मालूम हो कि जैन भारत की आबादी का केवल 0.4% हैं। वे अपनी अहिंसा और सभी जीवों के प्रति करुणा के लिए जाने जाते हैं। कबूतरों को खाना खिलाने पर जुलाई में जब बीएमसी ने कबूतरों को खाना खिलाने पर प्रतिबंध की घोषणा की, तो समुदाय ने सड़कों पर उतरकर विरोध किया। दादर के कबूतरखाने में जैन समुदाय की ओर से हजारों कबूतरों को रोजाना खाना खिलाया जाता था, उसे पक्षियों को बैठने से रोकने के लिए ग्रे तिरपाल से ढक दिया गया। इसके बाद भी, समुदाय के सदस्यों ने उस स्थान के आसपास कबूतरों को खाना खिलाना जारी रखा। कबूतर स्वभाव से मजबूत पक्षी माने जाते हैं। ये आसपास की छतों पर चले जाते हैं। उनके मल से त्वचा रोग फैलने का खतरा रहता है। इनसे घरों, कारों और सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी की शिकायत की जाने लगी। इस बीच, जैन समुदाय ने कबूतरखाना के आसपास की सड़कों पर कबूतरों को खाना खिलाना जारी रखा। यह मुद्दा जल्द ही राजनीतिक विवाद का केंद्र बन गया। मुंबई में श्वेतांबर और दिगंबर जैन दोनों रहते हैं। कबूतरों के मुद्दे पर दोनों संप्रदायों में एकता देखी गई। इस तरह शांतिदूत जनकल्याण पार्टी अस्तित्व में आई।

25 साल पहले खुद के लगाए पेड़ को काटे जाने पर फूट-फूटकर रोई 90 साल की महिला

खैरागढ़, एजेंसी।
छत्तीसगढ़ का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इसमें 25 साल पहले खुद के हाथों लगाए गए पीपल के पेड़ को काटे जाने पर 90 साल की एक महिला फूट-फूटकर रो रही है। वीडियो वायरल होने के बाद इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

छत्तीसगढ़ में एक बुजुर्ग महिला द्वारा 25 साल पहले लगाए गए पीपल के पेड़ को अवैध रूप से काटे जाने पर विलाप करते हुए एक वीडियो वायरल हुआ है। इस मामले में दो लोगों को गिरफ्तार किया गया है। एक पुलिस अधिकारी ने रविवार को पीटीआई-भाषा को बताया कि खैरागढ़-छुईखदान-गंडई जिले के सर्रागोंडी गांव के बाहरी इलाके में सड़क किनारे सरकारी जमीन पर खड़े इस पेड़ को 5 अक्टूबर की रात को काटा गया था।

इस वीडियो में 90 साल की महिला देवला बाई पटेल पेड़ के कटे हुए टुकड़े पर सिर रखकर विलाप करती नजर आ रही हैं। इसे सोशल मीडिया पर कई लोगों ने शेयर किया है।

केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने हैशटैग 'एक पेड़ मां के नाम' के साथ वीडियो एक्स पर शेयर करते हुए लिखा कि यह बहुत ही हृदय विदारक दृश्य है। एक बुजुर्ग महिला उस पीपल के पेड़ को काट दिए

जाने पर फूट-फूट कर रो रही है जिसे उसने 20 साल पहले लगाया था। मुझे बताया गया है कि यह छत्तीसगढ़ राज्य में हुआ है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि ग्रामीण प्रमोद पटेल द्वारा 6 अक्टूबर को दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर इमरान मेमन और प्रकाश कोसरे को इसके लिए गिरफ्तार किया गया है। अधिकारी ने बताया कि मेमन ने हाल ही में बगल की कृषि भूमि खरीदी थी। वह सड़क तक पहुंच बनाने के लिए पेड़ को हटाना चाहता था। 5 अक्टूबर को उसने पेड़ काटने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों के कड़े विरोध के कारण ऐसा नहीं कर सका। इसके बाद दोनों ने कथित तौर पर रात में पेड़ काट दिया। अधिकारी ने बताया कि आरोपियों ने जिस कटर मशीन का इस्तेमाल किया था, उसे पास की नदी में फेंक दिया। उसे निकालने के लिए गोताखोरों को लगाया गया है। आरोपियों पर भारतीय न्याय संहिता की धारा 298 (किसी भी वर्ग के धर्म का अपमान करने के इरादे से पूजा स्थल को नुकसान पहुंचाना या अपवित्र करना) और 238 (अपराध के सबूतों को मिटाना या अपराधी को छुपाने के लिए झूठी जानकारी देना) के अलावा सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है। अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपियों को एक स्थानीय अदालत में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया। स्थानीय निवासी रामावतार साहू ने बताया कि देवला बाई ने लगभग 25 साल पहले यह पेड़ लगाया था। साहू ने पीटीआई-भाषा को फोन पर बताया कि यह पेड़ स्थानीय समुदाय के लिए एक पवित्र स्थल बन गया था और पास में ही कुछ मंदिर भी बन गए थे। उन्होंने बताया कि पेड़ के काटे जाने की खबर सुनकर देवला बाई वहां पहुंचीं और रो पड़ीं। बाद

फरीदाबाद के एक घर में एलपीजी सिलेंडर फटा, धमाके से गिरी छत; 2 महिलाएं और 2 बच्चे घायल

फरीदाबाद, एजेंसी। फरीदाबाद की जवाहर कॉलोनी में सोमवार रात एक घर में खाना बनाते समय रसोई में रखा एलपीजी गैस सिलेंडर फटने से बड़ा हादसा हो गया। धमाका इतना जोरदार था कि मकान की छत तक गिर गई। हादसे में दो महिलाएं और दो बच्चे गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी को इलाज के लिए बीके अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एक बच्चे की हालत नाजुक बताई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, जवाहर कॉलोनी में रोहित नामक व्यक्ति अपनी पत्नी और बच्चों के साथ किराये पर रहता है। मकान मालिक राजीव ने बताया कि सोमवार की रात रोहित की पत्नी पारुल (33) रसोई में खाना बना रही थी, तभी अचानक गैस सिलेंडर फट गया। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तो देखा कि मकान की दोनों कमरों की छतें गिर चुकी थीं।

छत गिरने से पारुल (33), नेहा (30), अनीता (2) और दवांग (2) मलबे के नीचे दब गए। लोगों ने तुरंत सभी को बाहर निकालकर बीके अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, बच्चे दवांग की हालत नाजुक बनी हुई है। उधर, पुलिस का कहना है कि सिलेंडर फटने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। मामले की जांच की जा रही है।

नोएडा एयरपोर्ट तक बुलेट ट्रेन चलाने की तैयारी, 21 मिनट में पहुंचेंगे दिल्ली

नोएडा , एजेंसी। दिल्ली से वाराणसी तक चलने वाली हाईस्पीड ट्रेन (बुलेट ट्रेन) की नोएडा एयरपोर्ट से कनेक्टिविटी का रास्ता साफ हो गया है। नोएडा एयरपोर्ट के ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन सेंटर (जीटीसी) में भूमिगत स्टेशन के लिए नेशनल हाईस्पीड रेल कारपोरेशन लिमिटेड (एनएचआरसीएल) और नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट लिमिटेड (नायल) के बीच सैद्धांतिक सहमति बनी है। इस प्रस्ताव को अब डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट में शामिल किया जाएगा। प्राधिकरण के अधिकारी ने बताया कि दिल्ली से वाराणसी तक चलने वाली बुलेट ट्रेन के लिए गौतमबुद्ध नगर में दो स्टेशन बनेंगे। सराय काले खां से चलकर बुलेट ट्रेन का पहला स्टेशन नोएडा सेक्टर-148 में होगा। इसके बाद दूसरा स्टेशन सीधे जेवर में बन रहे एयरपोर्ट के लिए जीटीसी में भूमिगत बनेगा। सराय काले खां से नोएडा एयरपोर्ट का 70 किलोमीटर का सफर बुलेट ट्रेन मात्र 21 मिनट में पूरा करेगी।

रेलवे ट्रैक नोएडा और ग्रेनो एक्सप्रेसवे के ऊपर से बीचोंबीच यानी सड़क के दोनों लेन के बीच के हिस्से (सेंटर वर्स) पर एलिवेटेड बनेगा, इसी तरह यमुना एक्सप्रेसवे से होता हुआ एयरपोर्ट के जीटीसी तक जाएगा। नायल ने यह प्रस्ताव डेढ़ वर्ष से अधिक समय पहले भेजा था, जिसे पर अब सहमति बन गई है। बुलेट ट्रेन की सुविधा के चलते दुनियाभर से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट आने वाले यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। यहां तक कि नोएडा एयरपोर्ट से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट (आईजीआई) का सफर भी काफी सुगम हो जाएगा। बुलेट ट्रेन दिल्ली के सराय काले खां से नोएडा के सेक्टर-148, नोएडा एयरपोर्ट जेवर, मथुरा, आगरा, इटावा, लखनऊ, राय बरेली, प्रयागराज होते हुए वाराणसी तक 816 किलोमीटर की दूरी चार घंटे में तय करेगी। अभी सड़क मार्ग से इसमें 10 घंटे से अधिक समय तक लग जाते हैं। ऐसे में प्रदेश के प्रमुख तीर्थ अयोध्या राम मंदिर, मथुरा वृंदावन और काशी विश्वनाथ, जबकि पर्यटन स्थल ताजमहल समेत अन्य स्थानों पर जाना इससे आसान हो जाएगा। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की पार्किंग में वाहनों की निगरानी आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए होगी। एयरपोर्ट पर पार्किंग प्रबंधन का जिम्मा सिक्योर पार्किंग सॉल्यूशन को सौंपा गया है। यह कंपनी एयरपोर्ट की पूरी पार्किंग व्यवस्था संभालेगी और यात्रियों को स्मार्ट और सुविधाजनक पार्किंग देगी। नोएडा एयरपोर्ट दिल्ली एनसीआर का दूसरा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा है। दावा है कि इसके संचालन के बाद इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर दबाव कम होगा। एयरपोर्ट से पहले चरण में हर साल 1.2 करोड़ यात्री उड़ान भर सकेंगे, जिनकी संख्या अंतिम चरण में कुल सात करोड़ तक हो जाएगी। ऐसे में यहां यात्रियों की सुविधाओं के लिए ग्राउंड ट्रांसपोर्टेशन सेंटर बनाया गया है।

सुशांत सिंह राजपूत के जीजा ओपी सिंह बने हरियाणा के डीजीपी, शत्रुजीत कपूर की छुट्टी के बाद मिला चार्ज

चंडीगढ़, एजेंसी। आईपीएस अधिकारी वाई पूरन सिंह की खुदकुशी मामले में हरियाणा के डीजीपी शत्रुजीत कपूर को रातोंरात छुट्टी पर भेज दिया गया है। वहीं उनकी जगह पर एडीजीपी रैंक के सीनियर आईपीएस अधिकारी ओपी सिंह को कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक बनाया गया है। ओपी सिंह दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत के जीजा हैं। वह हरियाणा पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन और एफएसएल मधुबन के निदेशक का कार्यभार संभाल रहे थे। अब उन्हें अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। पुलिस ने इस मामले में डीजीपी समेत उन सभी अधिकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है जिनके नाम सुसाइड नोट में लिखे थे। गौरतलब है कि वाई.पूरन कुमार 2001 बैच के आईपीएस अधिकारी थे और रोहतक के पुलिस ट्रेनिंग सेंटर में इंस्पेक्टर जनरल (आईजी) के पद पर तैनात थे। उन्होंने 7 अक्टूबर को कथित रूप से आत्महत्या कर ली थी। उनके आठ पन्नों के सुसाइड नोट में 13 वरिष्ठ अधिकारियों के नाम शामिल थे, जिन पर उन्होंने उत्पीड़न और करियर को नुकसान पहुंचाने के गंभीर आरोप लगाए थे। इनमें सबसे अधिक आरोप डीजीपी शत्रुजीत कपूर और रोहतक एसपी पर थे। इस मामले में पूर्व रोहतक एसपी नरेंद्र बिजारनिया को शनिवार को पद से हटा दिया गया था और उनकी जगह सुरिंदर सिंह भोरिया को रोहतक का नया एसपी नियुक्त किया गया है। फिलहाल बिजारनिया को कोई नया पद नहीं दिया गया है। डीजीपी शत्रुजीत कपूर को जांच पूरी होने तक छुट्टी पर भेजा गया है। इसके अलावा, चंडीगढ़ पुलिस ने वाई. पूरन कुमार की पत्नी से उनका लैपटॉप भी जांच के लिए

हरियाणा रोडवेज की बस में सवारी अपने साथ ले जा सकेंगी पालतू कुत्ते; कितनी होगी टिकट

गुरुग्राम, एजेंसी। हरियाणा रोडवेज की बसों में सफर करने वाले यात्रियों के लिए एक राहत भरी खबर है। अब यात्री टिकट लेकर अपने पालतू कुत्ते के साथ भी बसों में यात्रा कर सकेंगे, लेकिन इसके लिए उन्हें कुछ जरूरी नियमों का पालन करना होगा। परिवहन विभाग ने इस संबंध में स्पष्ट निर्देश जारी किए हैं। नियमों के अनुसार, अपने पालतू कुत्ते के साथ सफर करने वाले यात्री को कुत्ते के लिए दो वयस्कों के बराबर टिकट लेनी होगी। यह शुल्क कुत्ते के सीट ऑक्यूपाई करने या अन्य यात्रियों को असुविधा न होने देने के लिए निर्धारित किया गया है। रोडवेज की बसों में केवल छोटे पालतू कुत्तों को ही यात्री अपने साथ यात्रा करवा सकते हैं। बड़े पालतू कुत्तों को बसों में सफर करने की मनाही है, ताकि यात्रियों के लिए किसी प्रकार की परेशानी न हो। यात्रियों को मेडिकल दस्तावेज भी साथ में रखना होगा ~ यात्रा के दौरान यात्री को कुत्ते से संबंधित कुछ अनिवार्य दस्तावेज भी अपने साथ रखने होंगे। इनमें सबसे महत्वपूर्ण है कुत्ते के मुंह पर मास्क (मजल) का लगा होना। इसके अलावा, यात्री को कुत्ते का एंटी-रेबीज टीकाकरण का प्रमाणपत्र सहित सभी मेडिकल कागज भी साथ रखने होंगे। यह सुनिश्चित करेगा कि कुत्ता स्वस्थ है और सह-यात्रियों के लिए कोई खतरा नहीं है। रोडवेज ने चेतावनी दी है कि यदि कोई यात्री बिना नियमों का पालन किए पालतू कुत्ते के साथ सफर करता पाया जाता है, तो कंडक्टर के साथ यात्री पर भी जुर्माना लगाया जाएगा, जो टिकट का दस गुना होगा। ये नियम यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए बनाए गए हैं। यात्री अब नियमों के अनुसार ही रोडवेज की बसों में पालतू कुत्तों को अपने साथ ले जा सकते हैं। इससे कुत्ता पालने वाले लोगों को अब आवागमन करने में न सिर्फ सहूलियत होगी।

आरएसएस के ऊपर बैन लगाने की मांग पर सिद्धारमैया का ऐक्शन, मुख्य सचिव को जारी किए गए निर्देश

बेंगलुरु, एजेंसी। कर्नाटक में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) पर बैन लगाने की चर्चा गरमाई हुई है। इस बीच, मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा कि उन्होंने राज्य के मुख्य सचिव को सरकारी परिसरों में आरएसएस की गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने के तमिलनाडु के फैसले पर गौर करने का निर्देश दिया है। राज्य सरकार में मंत्री प्रियांक खरगे ने एक दिन पहले सीएम सिद्धारमैया को पत्र लिखा थी। इसमें पूरे कर्नाटक में सरकारी संस्थानों और सार्वजनिक परिसरों में ऋस्स की गतिविधियों पर रोक लगाने की मांग रखी गई। खरगे ने दावा किया था कि ऐसी गतिविधियां भारत की एकता और संविधान के खिलाफ हैं।

सिद्धारमैया ने एक सवाल के जवाब में सोमवार को कहा, प्रियांक खरगे ने पत्र लिखा है। उन्होंने

कहा है कि आरएसएस सरकारी परिसरों का इस्तेमाल कर रहा है और उसे रोकने के लिए वही किया जाए, जो तमिलनाडु सरकार ने किया है। मैंने मुख्य सचिव से तमिलनाडु के फैसले पर गौर करने के लिए कहा है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के बेटे प्रियांक ने 4 अक्टूबर को मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कुछ आरोप लगाए थे। इसमें कहा गया कि आरएसएस सरकारी और सहायता प्राप्त स्कूलों के साथ-साथ सार्वजनिक स्थानों पर भी अपनी शाखाएं चला रहा है, जहां नारे लगाए जाते हैं और बच्चों व युवाओं के मन में नकारात्मक विचार भरे जाते हैं। प्रियांक खरगे ने यह भी कहा कि आरएसएस दुनिया का सबसे गुप्त संगठन है, जिसने खुद को रजिस्टर्ड नहीं कराया है, लेकिन फिर भी उसे सैकड़ों करोड़ रुपये का धन मिलता है। मंत्री ने संवाददाता सम्मेलन में कहा, 'यह दुनिया का सबसे गोपनीय संगठन है। इतनी गोपनीयता क्यों। ये लोग कौन हैं। आरएसएस प्रमुख के संबोधन का सीधा प्रसारण क्यों होना चाहिए? उनका योगदान क्या है? वे मुझे अपने 100 साल के इतिहास में अपने दस योगदान बताएं।' उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा

लड़की को अगवा करने की कोशिश, साथ नहीं रहने पर तेजाब से जलाने की धमकी

गाजियाबाद एजेंसी। गाजियाबाद में एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक लड़की को अगवा करने की कोशिश की गई। जब आरोपी ऐसा नहीं कर सका तो वह तेजाब से जलाने की धमकी देकर मौके से चला गया। लड़की की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। गाजियाबाद जिले के राजनगर एक्सटेंशन निवासी युवती ने पूर्व सहपाठी पर परेशान करने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। आरोपी अभद्रता करने और साथ न रहने पर तेजाब से जलाने की धमकी देने का आरोप है। राजनगर एक्सटेंशन की सोसाइटी में रहने वाली युवती का कहना है कि वर्ष 2020 में एक कॉलेज में एलएलबी में दाखिला लिया था। कॉलेज में संजय नगर सेक्टर–23 निवासी शिवम द्विवेदी भी पढ़ता था। युवती का आरोप है कि शिवम ने पढ़ाई के बहाने बातचीत शुरू कर दी। कुछ समय बाद उसका व्यवहार असामान्य और अभद्र होने लगा। इस पर पीड़िता ने बात करना बंद कर दिया तो आरोपी परेशान करने लगा। वर्ष 2022 में पीड़िता की मां ने बाबूधाम थाने में शिकायत थी थी, लेकिन उस समय कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। युवती का कहना है कि आरोपी से परेशान होकर परिवार राजनगर एक्सटेंशन में शिफ्ट हो गया। युवती के मुताबिक छह अक्तूबर को शिवम नशे में घर पहुंच गया।

पति ने पत्नी को मारी गोली, मौके से फरार, तलाशी जारी

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गाजियाबाद में मंगलवार को राजनगर एक्सटेंशन में एक महिला की गोली मारकर हत्या कर दी गई। हत्या करने वाला कोई और नहीं, बल्कि उसका पति ही था। हत्या के बाद पति मौके से फरार हो गया।

गोली की आवाज सुनते ही आस-पास के लोग इकट्ठा हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस प्रशासन मौके पर पहुंचा। वारदात के समय घर में महिला की 11 वर्षीय छोटी बेटी मौजूद थी। पुलिस और फॉरेंसिक टीम ने मौके से साक्ष्य जुटा कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है। मृतक महिला राजनगर एक्सटेंशन की अजनारा इंटीग्रिटी सोसाइटी के एफ-टावर के फ्लैट नंबर एफ-910 में रहती थी। शुरूआती जांच

में सामने आया कि पति-पत्नी में विवाद चल रहा था। इसी दौरान पति ने उसको गोली मार दी। पुलिस ने उसकी 11 साल की बेटी के बयान के आधार पर पति के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इसके साथ ही सोसाइटी में लगे सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी की तलाश शुरू कर दी है।

सीओ नंदग्राम उपासना पांडेय ने बताया कि हादसे के समय मृतिका की छोटी बेटी घर पर थी, जबकि बड़ी बेटी स्कूल गई थी। आपसी लड़ाई के बाद गोली मारकर हत्या कर दी गई। छोटी बेटी ने बताया है कि उसकी मम्मी को उसके पापा विकास सहलावत ने गोली मारी है।

गोली मारने से पहले दोनों में काफी झगड़ा भी हुआ था। मम्मी को गोली मारने के बाद पापा भाग गए। उन्होंने बताया कि आस-पास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। जल्द ही पूरे मामले का खुलासा किया जाएगा। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीम का गठन कर दिया गया है। जल्द ही उसकी लोकेशन ट्रेस कर उसको गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

सीओ ने बताया कि सूचना मिलने के बाद ही पुलिस मौके पर पहुंची थी और महिला को अस्पताल भी ले जाया गया था, लेकिन डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

इंजीनियर से मोबाइल और बैग लूटकर भागे बदमाश

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

मसूरी थानाक्षेत्र में शनिवार को अज्ञात बदमाशों ने एटीएम सर्विस इंजीनियर से लूटपाट की वारदात को अंजाम दिया। डासना क्षेत्र में एक एटीएम की सर्विस करके लौटते वक्त अज्ञात बदमाशों ने उनका मोबाइल और नगदी-औजार रखा बैग लूट लिया और फरार हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

मैनपुरी के गांव बिक्रमपुर निवासी दयानंद का कहना है कि वह फोरसाइट इनोवेशन प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में एटीएम सर्विस इंजीनियर के पद पर कार्यरत हैं और वर्तमान में खोड़ा कॉलोनी के नेहरू गार्डन में रहते हैं। दयानंद के मुताबिक 11 अक्तूबर को वह डासना स्थित इंडिया नंबर-वन कंपनी के एटीएम की सर्विस करके लौट रहे थे।

जैसे ही वह डासना वार्ड नंबर-छह में मीठा कुआं लोहारों वाली मस्जिद के पीछे की सड़क से गुजर रहे थे तो अज्ञात बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। वह कुछ समझ पाते, उससे पहले ही बदमाशों ने हत्या की धमकी देते हुए उनका मोबाइल डोन और बैग लूट लिया और फरार हो गए।

पुलिस मुठभेड़ : कुख्यात स्नैचर पारस उर्फ सोनू गिरफ्तार, अवैध हथियार बरामद

✷एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷

गाजियाबाद और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में सक्रिय कुख्यात स्नैचर पारस उर्फ सोनू को थाना इंदिरापुरम पुलिस ने देर रात एक मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार कर लिया है।

मुठभेड़ के दौरान आरोपी के दोनों पैरों में गोली लगी है, जिसके बाद उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के अनुसार, गाजियाबाद और दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में स्नैचिंग की बढ़ती वारदातों को देखते हुए इंदिरापुरम पुलिस विशेष अभियान चला रही थी। इसी क्रम में 14 अक्टूबर 2025 की देर रात 5/6 की पुलिया पर पुलिस टीम चेकिंग कर रही थी। कनावनी पुलिया की ओर से आ रहे एक मोटरसाइकिल सवार को पुलिस ने रुकने का इशारा किया। लेकिन, संदिग्ध व्यक्ति ने रुकने के बजाय तेजी से मोटरसाइकिल मोड़कर भागने की कोशिश की। पुलिस से घिरने के बाद भी अभियुक्त ने हार नहीं मानी और अपने पास मौजूद तमंचे से पुलिस टीम पर फायर कर दिया। पुलिसकर्मी बाल-बाल बचे।

जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने आत्मरक्षा में गोली चलाई, जिससे अभियुक्त के दोनों पैरों में गोली लगी और वह घायल होकर गिर गया। घायल अभियुक्त को तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्त की पहचान पारस उर्फ सोनू (उम्र 28 वर्ष), पुत्र राम अवतार, निवासी मौजपुर, शाहदरा, दिल्ली के रूप में हुई है। पुलिस ने बताया कि गिरफ्तार अभियुक्त पारस उर्फ सोनू एक कुख्यात अपराधी है और उसके खिलाफ गाजियाबाद और दिल्ली में लूट, स्नैचिंग और पुलिस मुठभेड़ के कुल 17 मामले दर्ज हैं।

डिलीवरी के बाद महिला की मौत

मुदित नर्सिंग होम अस्पताल में घटना, परिजनों ने डॉक्टर पर लगाया लापरवाही का आरोप

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगीना-नहटौर मार्ग स्थित एक अस्पताल में डिलीवरी के बाद एक महिला की मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टर पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाया है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया।

यह घटना नगीना नहटौर मार्ग पर स्थित मुदित नर्सिंग होम की है। कोठरा गांव, थाना नगीना, बिजनौर निवासी 27 वर्षीय प्रीति (पति कृष्णा) को सोमवार दोपहर करीब 3 बजे प्रसव पीड़ा के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया था। डिलीवरी के बाद प्रीति की मौत हो गई।

मृतका के परिवार वालों ने डॉक्टर पर भी गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। उनका कहना है की डिलीवरी होने के बाद डॉक्टर ने बिना टांके लगाए ही महिला को रेफर कर दिया।जब परिवार के लोग दोबारा अस्पताल पहुंचे तो उन्होंने अंदर से ताला लगा लिया था। परिजन अस्पताल के बाहर न्याय की मांग को लेकर अड गए। पुलिस ने स्थिति को शांत कराया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बिजनौर भेज दिया है। मृतका प्रीति की शादी 8 साल पहले हुई थी और दंपति की एक बेटी है।

तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे खड़ी गाड़ी में टक्कर मारी, दंपति घायल

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। इंदिरापुरम थाना क्षेत्र में गौर ग्रीन सोसाइटी के सामने हाईवे पर कार ने सड़क किनारे खड़ी गाड़ी में टक्कर मार दी। हादसे में कार में सवार दंपति घायल हो गए। मामले को लेकर थाने में केस दर्ज कराया गया है। पुलिस जांच कर रही। केशवपुरम दिल्ली निवासी उमेश चौहान ने बताया कि चार अक्तूबर को पत्नी को दवा दिलाकर ग्रेटर नोएडा स्थित आवास जा रहे थे। पत्नी की तबीयत खराब होने पर इंदिरापुरम क्षेत्र में गौर ग्रीन सोसइटी के सामने हाईवे के किनारे कार रोकी थी। इस दौरान पीछे से दूसरी कार ने उनकी गाड़ी में टक्कर मार दी। इससे उनकी कार दो बार पलट गई और दोनों घायल हो गए। लोगों ने कार को सीधा करक शीशा तोड़कर पत्नी और उन्हें बाहर निकला। राहगीरों ने दंपति को अस्पताल पहुंचाया, जहां दोनों का उपचार किया गया। पत्नी के चेहरे पर गंभीर चोट आई है और उनकी नाक की हड्डी भी टूट गई है, जबकि उनके हाथ में चोट आई है। फिलहाल महिला अस्पताल में ही भर्ती हैं। उमेश चौहान ने अस्पताल से छुट्टी मिलने के बाद इंदिरापुरम थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है।

बंद मकान में चोरी करने वाले तीन गिरफ्तार, आभूषण बरामद

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। लोनी बॉर्डर थाना पुलिस ने बंद मकान में चोरी करने वाले तीन चोरों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से पुलिस को एक मकान से चुराए गए आभूषण और नकदी बरामद हुई है। लोनी बॉर्डर थाना पुलिस दिल्ली सहारनपुर मार्ग पर वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इस दौरान पुलिस ने सूचना पर तीन युवकों को रोक कर उनके सामान की तलाशी ली। तलाशी में उनके कब्जे से आभूषण मिले। पूछने पर तीनों संतोषजनक उत्तर नहीं दे सके। पुलिस तीनों को गिरफ्तार कर थाने ले आई। पूछताछ में आरोपियों ने अपने नाम दीपक निवासी रामेश्वर पार्क थाना अंकुर विहार लोनी, जितेंद्र कुमार उर्फ सोनू और विजयपाल निवासी शिव विहार थाना करावल नगर दिल्ली बताएं। सीओ लोनी ज्ञान प्रकाश राय ने बताया कि दीपक व जितेंद्र दिन में लोनी के आस पास के क्षेत्र में घूम कर बंद मकानों की रेकी कर रात में चोरी की घटनाओं को अंजाम देते है। इन्होंने पांच अक्टूबर की रात को विकास कुंज कॉलोनी में एक मकान में चोरी करना स्वीकार किया। चोरी के बाद नकदी साथी नरेश ले गया था। उनके हिस्से में आभूषण आए थे। दोनों विजयपाल सुनार के साथ आभूषण बेचने जा रहे थे। सीओ ने बताया कि इनके कब्जे से एक अंगूठी, चेन, गले का हार, एक पैंडल, चार पाजेब व एक हजार 50 रुपये बरामद हुए है। पुलिस इनके फरार साथी की तलाश में जुटी है।

पार्किंग विवाद में युवक को कार से मारी टक्कर, गंभीर रूप से घायल

✷ एनसीआर टुडे. गाजियाबाद ✷। नोएडा के सेक्टर-122 के पर्थला खंजरपुर इलाके में कार पार्किंग को लेकर हुआ मामूली विवाद रविवार रात एक गंभीर घटना में बदल गया। घर के बाहर गाड़ी खड़ी करने का विरोध करना एक युवक को इतना भारी पड़ा कि आरोपी ने गाड़ी चढ़ाकर उसे टक्कर मार दी, जिसमें युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। पूरा घटनाक्रम घर में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया, जिसके आधार पर पुलिस ने आरोपी वाहन को जब्त कर लिया है और दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया है। घायल युवक की पहचान समय यादव पुत्र जयपाल यादव, निवासी पर्थला खंजरपुर, थाना सेक्टर-113 के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, समय यादव ने आरोपियों को अपने घर के बाहर कार खड़ी करने से मना किया था। इसी बात पर विवाद इतना बढ़ गया कि गुस्से में आरोपी युवक ने अपनी कार तेज रफ्तार से चला दी और सीधे समय यादव को टक्कर मार दी।

लापरवाही से नवजात की मौत, जच्चा गंभीर

परिजनों ने लापरवाही का लगाया आरोप, अस्पताल में हंगामा, ओटी सील

✷ एनसीआर टुडे. नूरपुर ✷

नूरपुर में एक झोलाछाप डॉक्टर की कथित लापरवाही के कारण एक नवजात की मौत हो गई। प्रसव के बाद जच्चा बुशरा परवीन की हालत भी गंभीर बनी हुई है, जिसे हायर सेंटर रेफर किया गया है।

घटना के बाद परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा किया और डॉक्टरों पर लापरवाही का आरोप लगाया।

यह घटना सोमवार दोपहर की है। गांव पीपला जागीर निवासी फईम की पत्नी बुशरा परवीन को प्रसव पीड़ा होने पर धामपुर रोड स्थित निर्मला हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। बुशरा ने एक पुत्र को जन्म दिया, लेकिन परिजनों का आरोप है कि गलत इलाज के कारण नवजात की जन्म के तुरंत बाद मौत हो गई।

परिजनों का आरोप है कि डॉक्टरों ने काफी देर तक बच्चे की मौत की जानकारी नहीं दी। इसी बीच बुशरा की हालत बिगड़ने लगी। नवजात की मौत और जच्चा की बिगड़ती हालत को लेकर परिजनों ने अस्पताल में भारी हंगामा किया।

सूचना मिलने पर थाना प्रभारी निरीक्षक जय भगवान सिंह और कस्बा इंचार्ज श्रीकांत सत्यार्थी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन देकर मामला शांत कराया। इस संबंध में फरमान मलिक की ओर से पुलिस को तहरीर दी गई है । तहरीर में नवजात की मौत के लिए डॉक्टर को जिम्मेदार ठहराते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की गई है।

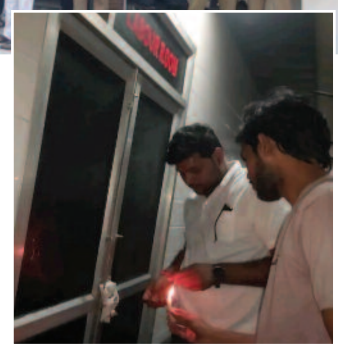

थाना प्रभारी निरीक्षक जय भगवान सिंह ने बताया कि अभी तहरीर नहीं मिली है। तहरीर मिलने पर जिलाधिकारी को भेजकर उनके आदेशानुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

जिलाधिकारी के आदेश पर नोडल अधिकारी आर पी विश्वकर्मा ने टीम के साथ नगर के निर्मला नर्सिंग होम में पहुंचकर जांच की। इस दौरान उन्होंने अस्पताल की ओटी कक्ष को सील कर दिया। तथा अस्पताल संचालक निर्मला राणा को नोटिस थमाया है।

नोडल अधिकारी ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि नवजात की मौत का कारण स्पष्ट करने के लिए पुलिस को नवजात के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम करने के लिए बोला गया है।

देर रात 9 बजे तक पुलिस अस्पताल नहीं पहुंची थी। तथा नवजात का शव अस्पताल टेबल पर रखा था ।

जहरीला पदार्थ खाने से युवक की मौत

✷ एनसीआर टुडे. बिजनौर ✷

कोतवाली शहर क्षेत्र स्थित काशीराम कॉलोनी में 21 वर्षीय युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई।

परिजनों ने एक महिला पर युवक को जबरन जहरीला पदार्थ खिलाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

काशीराम कॉलोनी निवासी सुहेल (21) पुत्र इरशाद ने 11 अक्टूबर को जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। परिजन उसे जिला अस्पताल ले गए, जहां से गंभीर हालत में उसे एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

देर शाम उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। सुहेल के भाई जुनैद ने शहर कोतवाली पुलिस को तहरीर दी है। जुनैद का आरोप है कि एक महिला और उसके परिजनों ने सुहेल को अपने घर बुलाया। उसके साथ मारपीट की और जबरन जहरीला पदार्थ खिलाया।

आरोप है की मारपीट के बाद आरोपियों ने सुहेल को काशीराम कॉलोनी के बाहर राष्ट्रीय राजमार्ग किनारे फेंक दिया था।

एएसपी सिटी डां कृष्ण गोपाल सिंह ने बताया कि इस मामले में वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

नगीना बार एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने की हाई कोर्ट रजिस्टार से भेंट

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगीना बार एसोसिएशन का चार सदस्यीय प्रतिनिधि मंडल इलाहाबाद हाईकोर्ट में नगीना सिविल कोर्ट से संबंधित मांगों को लेकर अध्यक्ष श्री अशोक कुमार त्यागी एड. के नेतृत्व मे रजिस्ट्रार जनरल हाईकोर्ट मंजीत सिंह श्योराण एवं प्रशासनिक जज संजय कुमार से मिला और उन्हें मांग पत्र प्रस्तुत किया।

प्रतिनिधि मंडल में अध्यक्ष जी के साथ महासचिव श्री नईम अहमद एडवोकेट, कोषाध्यक्ष श्री शरत थापन एवं निवर्तमान महासचिव व पदेन सदस्य फरीद अहमद ख़ान एडवोकेट शामिल रहे। इससे पूर्व प्रतिनिधि मंडल ने बार कौन्सिल ऑफ यूपी के पदाधिकारियों से मिलकर बार एवं अधिवक्ताओं से संबंधित समस्याओं का निराकरण कराया।

प्रतिनिधि मंडल ने हाईकोर्ट में दिए पत्र मे नगीना में अतिरिक्त परिवार न्यायालय की स्थापना,अपर सिविल जज की रिक्त कोर्ट में न्यायिक अधिकारी की नियुक्ति, अपरजिला जज नगीना के क्षेत्राधिकार में आने वाले जमानत प्रार्थना पत्रो के निश्तारण का ला अधिकार देने की मांग प्रमुख थी।

वसीम कुरैशी के दुआ फाउंडेशन ने मृतक के परिजनों को सौपा चैक

सात समुंदर पार बैठ कर अपनो के दुख को समझा दोनों को दिए ढाई-ढाई लाख रूपये

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

नगर निवासी वरिष्ठ समाजसेवी वसीम कुरैशी ने कुवैत में मरने वाले दो युवको के परिजनों को ढाई ढाई लाख रूपये की मदद देने का वादा किया था। उसको आज पूरा करते हुए दोनों मृतक के परिवार और ग्राम प्रधान व अन्य जिम्मेदारों की मौजूदगी में उनके परिवारों को ढाई ढाई लाख रूपये का चैक दिया गया।

आपको बता दे की विगत वर्ष पूर्व नजीबाबाद तहसील क्षेत्र के ग्राम महेशपुर खेड़ी भोजपुर क़स्बा किरतपुर निवासी मोहम्मद दानिश और ताहरपुर इश्क उर्फ गाजीपुर नजीबाबाद निवासी ताहजीम दोनों युवकों की कुवैत में हादसे के दौरान मौत हो गई थी।

उपरोक्त की मौत की खबर जैसे ही मिडिया के माध्यम से वसीम कुरैशी को जैसे ही दुबई में मिली तो वसीम कुरैशी ने सात समुंदर पार बैठ कर अपनो के दुख को समझा और दोनों परिवारों को ढाई ढाई लाख रुपए की मदद देने का वादा कर दिया था।

मंगलवार को वसीम कुरैशी के मोहल्ला मुनीरगंज पालोमल कॉलोनी स्थिति कैंप कार्यालय पर दोनों गांव के ग्राम प्रधान व मृतक के परिजनों सहित अन्य जिम्मेदार लोगों की मौजूदगी में वसीम कुरैशी के दुआ फाउंडेशन के माध्यम से दोनों परिवारों को ढाई ढाई लाख रुपए का चेक दिया गया।

इस मौके पर दुआ फाउंडेशन के हाजी शमीम कुरैशी, इरफ़ान कुरैशी, अब्दुल्ला गुलजार, मास्टर मोहम्मद असलम, मास्टर अब्दुल सत्तार, हाजी खुर्शीद कुरेशी, हाजी इमरान कुरेशी, युसूफ पहलवान, इस्लाम कुरेशी, ग्राम प्रधान विजेंद्र राजपूत खेड़ी भोजपुर, मोहम्मद खालिद ग्राम प्रधान ताहरपुर इशाक उर्फ गाजीपुर, सर्वेश कुमार, हेमंत राजपूत सहित काफी संख्या में जिम्मेदार लोग मौजूद रहे। उपरोक्त की मौजूदगी में दुआ फाउंडेशन के जानिब से दोनों मृतक परिवारों को यह चेक दिए गए।

मृतक ताहजीम की पत्नी शाजिया बेगम निवासी ताहरपुर इशाक उऱ्फ गाजीपुर को ढाई लाख रुपए का पहला चेक दिया गया। वहीं मृतक दानिश के पिता रईस अहमद निवासी ग्राम महेशपुर खेड़ी भोजपुर किरतपुर को ढाई लाख रूपयों का दूसरा चेक दिया गया।

साइकिल सवार युवती से बाइक सवार युवक ने की छेड़छाड़

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷

नगर से साइकिल पर सवार होकर जा रही युवती को बाइक सवार एक युवक ने पीछा कर पकड़ लिया और उसके साथ छेड़छाड़ की।

शोर मचाने पर आरोपी युवती को नशीला पदार्थ सुंघाकर भुगत लेने की धमकी देकर भाग गए। युवती बेहोश होकर गिर गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

देर शाम क्षेत्र के एक गांव की युवती साइकिल पर सवार होकर अपने घर जा रही थी। बिजनौर, मुरादाबाद स्टेट हाईवे से गांव की ओर जाने वाले मार्ग पर पीछे से एक बाइक सवार युवक ने युवती को पकड़कर उसके साथ छेड़छाड़ की। युवती के विरोध करने व आसपास के लोगों को आता देख आरोपी भुगत लेने की धमकी व नशीला पदार्थ सुंघाकर मौके से भाग गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने मामले की सूचना फोन पर पुलिस को दी और उसे निजी अस्पताल में भर्ती कराया। सूचना पाकर सीओ सिटी गौतम राय व थाना प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार ने मौके पर पहुंचे और जांच शुरु कर दी है।

त्योहारों को देखते हुए विधिक माप विज्ञान विभाग का अभियान जारी

✷ एनसीआर टुडे. नजीबाबाद ✷

विधिक माप विज्ञान विभाग नजीबाबाद को नगर के विशाल मेगा मार्ट में घट तोली की शिकायत प्राप्त हुई थी। जिसको लेकर वहां पर पहुंचकर जांच की गई बहरहाल सब ठीक पाया गया।

कार्यालय विधिक माप विज्ञान विभाग नजीबाबाद दीप्ति श्रीवाश्तव वरिष्ठ निरीक्षक ने कहा कि आगामी दीपावली पर्व को देखते हुए अभियान चलाया गया है। जिसमें क्षेत्र के मोल, मिठाइयों की दुकानें, किराना की दुकानें, गिफ्ट आइटम, एलपीजी गैस, आदि अन्य वश्तुएं जिसको ग्राहक खरीदते हैं को चेक किया जाता है। देखा जाता है कि दुकानदार द्वारा या कंपनी द्वारा जितना पैकिंग पर वजन दर्शाया गया है क्या उसका वजन उसी के अनुसार है।

मिठाई विक्रेता डब्बे के साथ अगर मिठाई तोलता है तो डब्बे का वजन उसके द्वारा अलग से किया गया है या नहीं ।इसको लेकर भी समय-समय पर चेकिंग की जाती है।

त्योहारों को देखते हुए गैस एजेंसियों की भी जांच की जा रही है।, देखा जा रहा है कि सिलेंडर में कम गैस तो नहीं दी जा रही। सर्राफा की दुकानों पर भी जांच की जा रही है कि कोई घंटोली तो नहीं की जा रही है।

मॉल में बिकने वाले कपड़ों की भी जांच की जा रही है। दिवाली पर बिकने वाले गिफ्ट आइटम की भी जांच चल रही है। छोटे दुकानदार भी इस दौरान अपनी तराजू में सही मात्रा में वजन तोल कर ग्राहक को दे रहे हैं या नहीं इसकी भी जांच की जा रही है।

उपभोक्ताओं से अपील करते हुए कहा गया कि उनके द्वारा खरीदी गई वश्तु को वह सही से देख ले। उसमें वश्तु की कीमत, उसका वजन और उस वश्तु पर प्रोडक्ट का नाम है या नहीं। उसकी उत्पादन तिथि देखें, दीपावली या रोजमर्रा में अगर वह ग्राहक मिठाई की दुकान पर मिठाई खरीदते हैं तो यह जरूर देखें कि दुकानदार द्वारा डिब्बे का वजन के साथ मिठाई तो नहीं तो ली जा रही। इस चीज का भी वह अवश्य ध्यान रखें । उपभोक्ता (ग्राहक)अपने अधिकारों को समझें। इसके लिए उपभोक्ताओं को जागरूक होना पड़ेगा ताकि ग्राहकों के लिए भी अच्छा हो और हमारे लिए भी आसान होगा।

मुस्लिम छात्रा से अभद्रता करने पर तीन युवक गिरफ्तार

वीडियो सामने आने के बाद नगीना देहात पुलिस ने आरोपियों को दबोचा

✷ एनसीआर टुडे. नगीना ✷

नगीना देहात क्षेत्र में एक मुस्लिम छात्रा और एक गैर समुदाय के युवक से अभद्रता करने तथा उनका वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर डाल दिया। जिसके आरोप में पुलिस ने तीन युवकों को गिरफ्तार किया है।

यह घटना 10 अक्टूबर को कोट कादर गांव के पास हुई थी। कुछ युवकों ने मुस्लिम छात्रा और दूसरे समुदाय के युवक को रोक लिया और उनके साथ अभद्रता करते हुए मोबाइल कैमरे से वीडियो बना ली।

यह वीडियो बाद में पोस्ट कर दी। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई और मामले का संज्ञान लिया । तत्काल कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया।

नगीना देहात थाने में दी गई तहरीर के अनुसार, 10 अक्टूबर 2025 को आवेश पुत्र जमशेद, आकिब पुत्र इनाम और अरफात पुत्र अशरफ (सभी निवासी ग्राम कोटकादर, नगीना देहात) ने शिकायतकर्ता और उसके साथ स्कूल में पढ़ने वाली लड़की को रोककर अभद्रता की। इसी दौरान उनकी वीडियो बनाकर वायरल कर दी गई। पुलिस ने इस मामले में थाना नगीना देहात में मुकदमा अपराध संख्या 227/25 के तहत धारा 115(2), 351(2), 352 और सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम की धारा 66 (ए) के अंतर्गत मामला दर्ज किया है।

उपनिरीक्षक हिमांशु कुमार, हेड कांस्टेबल सुनील मलिक, सलीम जावेद और कांस्टेबल आशीष धामा की टीम ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई जारी है।

हिंदी भाषा में श्रुतलेख प्रतियोगिता और अंग्रेजी भाषा में स्पेल बी प्रतियोगिता का आयोजन

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

बेसिक शिक्षा विभाग के अंतर्गत ब्लॉक संसाधन केंद्र (बीआरसी) पर आज परिषदीय विद्यालयों के छात्र-छात्राओं के लेखन में शुद्धता और गति के कौशल विकास को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से हिंदी भाषा में श्रुतलेख प्रतियोगिता और अंग्रेजी भाषा में स्पेल बी प्रतियोगिता का आयोजन खंड शिक्षा अधिकारी दिनेश कुमार के निर्देशन में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

इस प्रतियोगिता में प्रत्येक विद्यालय से एक विद्यार्थी ने भाग लिया, जिन्होंने श्रुतलेख और स्पेल बी में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों में प्राथमिक वर्ग में दिव्यांशी प्रा वि नक़ीबपुर 2, जूनियर वर्ग में मिस्वा उच्च प्राथमिक विद्यालय इब्राहिमपुर साधो,कंपोजिट प्राथमिक श्तर में खुशनुमा क.वि. पाडली मांडू, एवं कृष्णकांत क.वि. गिलाड़ा विजेता बने। ये विजेता बच्चे आगामी 16 अक्टूबर 2025 को डायट, इस्माइलपुर में आयोजित जिला श्तरीय श्रुतलेख और स्पेल बी प्रतियोगिता में अपने विकास क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे।

इस प्रतियोगिता के निर्णयक मंडल में सोनू तोमर, श्रीमती आरती वर्मा, श्रीमती स्वाति सिवाच, अखिल कुमार, अंकित कुमार रहे। विपिन कुमार, थम्मन सिंह, ए.आर.पी. अभिषेक भटनागर, हेमराज सिंह आर्य और सुखबीर सिंह का विशेष योगदान रहा।

महर्षि वाल्मीकि की शोभायात्रा निकाली

✷ एनसीआर टुडे. नहटौर ✷

महर्षि वाल्मीकि प्रकटोत्सव के अवसर पर लवकुश नगर से भव्य शोभायात्रा निकाली गई।विधायक ओम कुमार ने शोभायात्रा का फीता काटकर शुभारंभ किया।

मंगलवार को बाल्मीकि बश्ती मे मंदिर परिसर में महर्षि वाल्मीकि जी की पूजा अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने परिवारों की सुख समृद्धि की कामना की। सायं के समय लवकुश स्थित मंदिर परिसर से भव्य शोभायात्रा प्रारंभ हुई। जिसका शुभारंभ भाजपा विधायक ओमकुमार ने फीता काटकर शुभारंभ कर लोगों से महर्षि वाल्मीकि के आदर्शों पर चलने का आवाहन किया।

अध्यक्ष पवन सूद ने भाजपा विधायक ओम कुमार, सुभाष वाल्मीकि, ईओ ओमगिरी, पालिका लिपिक विशेष उपाध्याय, वैभव गोयल, कपिल शर्मा आदि को पगड़ी पहनकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया।शोभा यात्रा मे सबसे आगे भगवा झंडा लिए घुड़सवार शोभा यात्रा की अगवानी की।

हवन कुंड तथा अखाड़े में प्रतिभागी अपना कर्तव्य दिखाते चल रहे थे। काली का अखाड़ा, नाग नागिन, गोरिल्ला की झांकी आकर्षण का केंद्र थी। शोभा यात्रा का विभिन्न स्थानों पर पुष्प वर्षा करके स्वागत किया गया। शोभायात्रा में एजेंसी आदि अपने निर्धारित मार्गो से होकर लवकुश नगर में जाकर संपन्न हुई।

शोभायात्रा को सफल बनाने में अध्यक्ष पवन सूद ,उपाध्यक्ष नीरज सूद राजकुमार वाल्मीकि लक्ष्मण रंजीत, सावन सूद, नरेंद्र चैनवाल रोहित वाल्मीकि, दीपराज वाल्मीकि, दीपेंद्र वाल्मीकि, राहुल वाल्मीकि आदि वाल्मीकि समाज का सहयोग रहा।

दीवाली में बसें अधिक फेरे लगाएंगी

17 अक्तूबर से दस दिन लोगों को सुविधा मिलगी डिपो से चलने वाली 305 बसों के फेरे बढ़ाए जाएंगे

एनसीआर टुडे. नोएडा। दीपावली पर यात्रियों की सुविधा के लिए 17 अक्तूबर से नोएडा और ग्रेटर नोएडा डिपो की बसें अधिक फेरे लगाएंगी। लगातार दस दिनों तक लोगों का अतिरिक्त फेरों की सुविधा मिलेगी। भीड़ होने पर देर रात तक भी बसों को चलाने की योजना है। उत्तर प्रदेश परिवहन निगम गौतमबुद्ध नगर के अनुसार शुक्रवार और शनिवार को सबसे अधिक भीड़ होने की संभावना है। ऐसे में डिपो की 305 बसें एक हजार से अधिक अतिरिक्त फेरे लगाएंगी। त्योहारों पर हर रूट पर यात्रियों की भीड़ होती है।

ऐसे में प्रत्येक रूट पर दूरी के मुताबिक बसों के फेरे बढ़ाए जाएंगे। इसमें आगरा, मथुरा, अलीगढ़, बरेली, बंदायू, मेरठ, बिजनौर और अन्य शहरों की बसें शामिल हैं। परिवहन निगम के क्षेत्रीय प्रबंधक मनोज कुमार ने कहा कि आपातकालीन स्थिति को छोड़कर चालक, परिचालक और अन्य कर्मचारियों की छुट्टी निरश्त रहेगी। उन्होंने कहा कि बसें रूट से लौटने के बाद डिपो में रुकती थीं और कार्यशाला में जांच के बाद अगले दिन जांच के लिए निकलती थीं, लेकिन त्योहारों में इसमें बदलाव किया गया है। बसें रूट से लौटने के बाद कार्यशाला में जांच पूरी होते ही तुरंत गंतव्य को निकल जाएंगी। बसें निर्धारित समय सारणी के अनुसार गंतव्य को नहीं निकलेंगी। जिस रूट के यात्री सबसे अधिक होगी, वहां के लिए बसें रवाना कर दी जाएंगी। उन्होंने कहा कि लखनऊ के लिए अभी एक बस डिपो से चलती है। त्योहारों में यात्रियों की भीड़ के अनुसार

उत्तर रेलवे
ई-निविदा सूचना
उप. मु. सिग. एवं दू. सं. अभि./नि./पी. स./नई दिल्ली, भारत के राष्ट्रपति की तरफ से निर्धारित प्रपत्र पर सील्ड ई–निविदा (एकल प्रणाली) निम्नलिखित कार्य के लिए IREPS की वेबसाइट पर आमंत्रित कर रहे हैं।

1	**कार्य का नाम एवं स्थान :** उत्तर रेलवे के DLI डिवीजन के ROK-GHNA स्टेशन के बीच नए क्रॉसिंग स्टेशन के प्रावधान के तहत जसिया स्टेशन पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग सिस्टम के साथ एस एंड टी कार्य (इनडोर और आउटडोर सिग्नलिंग कार्य)।
2	**पूरा होने की अवधि :** एलओए जारी होने की तारीख से 11 महीने
3	**कार्य की अनुमानित लागत :** रु. 5.29 करोड़ (लगभग)
4	**धरोहर राशि :** रु. 4,14,400/- (रुपये चार लाख चौदह हजार चार सौ केवल) (केवल ऑन लाइन जमा किया जाना है)
5	**स्थान जहाँ से निविदा फार्म खरीदा जा सकता है :** उपरोक्त ई–निविदा दस्तावेज IREPS की वेबसाइट www.ireps.gov.in पर 16.10.2025 to 11.11.2025 के बीच 11.30 बजे तक उपलब्ध रहेंगे।
6	**निविदा फार्म जमा करने की आखिरी तारीख एवं समय :** 11.11.2025 उपरोक्त ई–निविदा दस्तावेज फार्म 28.10.2025 to 11.11.2025, 11.30 AM तक IREPS वेबसाइट पर जमा कराये जा सकते हैं।
7	**निविदा खुलने की तारीख एवं समय :** ई–निविदा दिनांक 11.11.2025, 11.30 बजे खोला जाएगा।

सं.: 570-सिग-पी.स.-निविदा-139 दिनांक: 14.10.2025 3166/2025
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

संपादकीय

तालिबानी मंत्री की प्रेसवार्ता में पत्रकारों के प्रवेश पर रोक, विपक्ष हमलावर

मई से अगस्त 2021 तक, असुरक्षा के बढ़ते स्तर, लक्षित हत्याओं और नागरिकों को लक्षित करने वाले हमलों के बीच, तालिबान ने एक सैन्य आक्रमण के माध्यम से अफगानिस्तान पर नियंत्रण कर लिया, जो देश भर में फैलकर, 15 अगस्त को राजधानी शहर तक पहुंच गया। एक अफगान राजनीतिक और उग्रवादी आंदोलन था, जिसकी विचारधारा में इस्लामी कट्टरवाद के देवबंदी आंदोलन के तत्व शामिल रहा। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री अमीर खान मुत्ताकी की प्रेस कांफ्रेंस में महिला पत्रकारों की एंट्री रोक दी गई।विपक्षी दलों, पत्रकारों और सोशल वर्कर्स ने गुस्सा जताया। विवाद में केंद्र सरकार ने पल्ला झाड़ दिया। देवबंद के प्रवक्ता सुहैल शाहीन कहा कि यह अनजाने में हुआ।महिलाओं को भेदभाव की कोई नीति नहीं है। तकनीकी मामला था।कांग्रेस ने इसको देश की महिलाओ का अपमान करार दिया। जबकि प्रियंका ने भाजपा पर हमला करते हुए कहा कि महिलाओ के अपमान की अनुमति कैसे दी गई? 2007 में दारूल उलूम ने आतंक के खिलाफ पहला फतवा जारी किया था।1990 के दशक के मध्य में अफ़ग़ानिस्तान में गृहयुद्ध के दौरान कंधार में तालिबान का उदय हुआ।

इसके संस्थापक मुल्ला मोहम्मद उमर ने 1996 में काबुल पर तालिबान के कब्जे के बाद भी कंधार को अपनी वास्तविक राजधानी बनाए रखा। अफगानिस्तान में हिंदुओं की आबादी बहुत कम हो गई है, और वर्तमान में यह संख्या गिनती के आंकड़ो तक ही सीमित है। 1970 के दशक में यह संख्या लाखों में थी, लेकिन युद्धों और उत्पीड़न के कारण तेजी से घट गई। हाल के अनुमानों के अनुसार, अफगानिस्तान में अब लगभग 1, 350 हिंदू और सिख बचे हैं, जिनमें से 50 से भी कम हिंदू हैं। चीन से लेकर ईरान तक, कई देश पहले से ही तालिबान के साथ बातचीत कर रहे थे।

विशेषज्ञों का कहना था कि अगला कदम तालिबान का हो सकता है। रूस, 2021 में तालिबान के सत्ता में आने के बाद से अफगानिस्तान में तालिबान सरकार को स्वीकार करने वाला पहला देश बन गया था। अफ़ग़ानिस्तान पर अपने पहले शासन के दौरान, तालिबान महिलाओं के प्रति अपने द्वेष और हिंसा के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कुख्यात थे। 1996 में महिलाओं को सार्वजनिक रूप से हर समय बुर्का पहनना अनिवार्य कर दिया गया था । महिलाओं को आठ साल की उम्र के बाद काम करने या अपनी शिक्षा जारी रखने की अनुमति नहीं थी। शिक्षा प्राप्त करने की इच्छुक महिलाओं को भूमिगत स्कूलों में जाने के लिए मजबूर किया जाता था, जहाँ पकड़े जाने पर उन्हें और उनके शिक्षकों को फांसी का खतरा होता था।

महिलाओं का इलाज पुरुष डॉक्टरों द्वारा नहीं किया जा सकता था। जब तक कि उनके साथ कोई पुरुष संरक्षक न हो, एक ऐसी बाधा जो महिलाओं को स्वास्थ्य सेवा लेने से रोकती थी, जिससे कई लोगों को अनुपचारित बीमारी या आगे की स्वास्थ्य जटिलताएँ होती थीं। तालिबान ने इन कानूनों को सार्वजनिक कोड़े मारने और फांसी के माध्यम से लागू किया। 2021 में अफगानिस्तान पर नियंत्रण वापस लेने के बाद, तालिबान ने शुरुआत में महिलाओं को विश्वविद्यालयों में जाने की अनुमति दी, यद्यपि लिंग-भेद वाली कक्षाओं में, इस शर्त पर कि वे इस्लामी मानकों का पालन करें। हालांकि, कुछ ही समय बाद, समूह ने प्रतिबंध का विस्तार करके लड़कियों को 12 वर्ष की आयु के बाद स्कूल जाने से रोक दिया । दुनिया में अपनी तरह का एकमात्र प्रतिबंध। इसके अतिरिक्त, उन्होंने अफगानिस्तान में महिलाओं को अधिकांश क्षेत्रों में काम करने से प्रतिबंधित कर दिया है।स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा के लिए सीमित अपवाद हैं। हालांकि तालिबान के प्रतिबंध इन क्षेत्रों में कई महिलाओं के लिए निषेधात्मक रूप से बोझिल साबित हुए थे।

कुछ प्रांत अभी भी राष्ट्रव्यापी प्रतिबंध के बावजूद लड़कियों के लिए माध्यमिक शिक्षा की अनुमति देते थे। महिलाओं को सार्वजनिक रूप से चेहरा ढंकना अनिवार्य है और किसी करीबी पुरुष रिश्तेदार के बिना 70 किलोमीटर से अधिक यात्रा करने से रोक दिया गया है । 2022 में, तालिबान के एकांतप्रिय नेता हिबतुल्लाह अखुंदजादा ने अंतरराष्ट्रीय आलोचना और मानवाधिकार प्रतिबंधों को कम करने की माँगों को खारिज कर दिया, तालिबान के शासन पर किसी भी बातचीत या समझौते से इनकार कर दिया।

अफ़ग़ानिस्तान पर कब्ज़ा करने के दो साल के भीतर, तालिबान ने ब्यूटी सैलून बंद कर दिए और महिलाओं के जिम और पार्कों में जाने पर प्रतिबंध लगा दिया। इन प्रतिबंधों की लगभग सार्वभौमिक निंदा हुई है, जिसमें अफगानिस्तान के अंदर और बाहर इस्लामी सरकारें और मौलवी भी शामिल थे, जिनका कहना है कि इन प्रतिबंधों का इस्लाम में कोई आधार नहीं है। पाकिस्तान में उत्तर-पश्चिम सीमा प्रांत को एसेंबली में जब सूबे में शरीअत कानून लागू किए जाने को विधेयक पारित किया तो पाकिस्तान ही नहीं, दुनिया भी शतब्ध हो उठी।इसे कम-से-कम उन इलाकों में समाज के तालिबानीकरण का सबूत माना गया, जहां मजहबी दलों का समूह मुत्तहिदा मजलिस-ए-अमल अक्तूबर 2002 के चुनावों में अमेरिका विरोधी भावनाएं भुनाकर सत्ता में आया था। एमएमए सरकार इस विधेयक की नैया को इसलिए पार लगा पाई क्योंकि कमजोर विपक्ष ने इस डर से उसका विरोध नहीं किया कि कहीं उस पर इस्लाम विरोधी होने का ठप्पा न लगे। इसके सर्वसम्मति से पारित होने के चलते इस्लामाबाद में जनरल परवेज मुशर्रफ के समर्थन वाली संघीय सरकार और एमएमए सरकार के बीच कड़े टकराव की नौबत पैदा हो गई थी।

संघीय गृह मंत्री फैसल सालेह हयात ने चेतावनी दी थी कि इस्लामाबाद पाकिस्तान को प्रबुद्ध और प्रगतिशील मुस्लिम राष्ट्र बनाने की जफरुल्ला खान जमाली सरकार की कल्पना से छेड़छाड़ सहन नहीं करेगा, पर साथ ही इस्लामाबाद विवादास्पद लीगल फ्रेमवर्क ऑर्डर (एलएफओ) पर एमएमए से निरंतर बातचीत कर रहा था ताकि मुशर्रफ को अनिश्चित समय तक सेना में बने रहने की छूट मिले ।लेकिन कुछ घटनाओं ने उग्रपंथ में इजाफाहुआ था।शरीअत विधेयक पारित होने के हफ्ते भर पहले मजहबी दलों के कार्यकर्ताओं ने महिलाओं को दिखाते विज्ञापनों को गैर-इस्लामी करार देते हुए उन पर कालिख पोत दी थीं। मीडिया में हुई लगातार आलोचना के चलते मुख्यमंत्री अकरम दुर्रानी को इसकी भर्त्सना करनी पड़ी थी, पर उस प्रकरण के बाद तालिबानी अंदाज में फरमान निकलने लगे तो किसी को शक नहीं रहा।

ट्रंप टैरिफ के बाद भारत, अमरीका व विश्व

डा. अश्विनी महाजन

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने दूसरे कार्यकाल में विश्व अर्थव्यवस्था में एक बड़ी उथल-पुथल लाने वाले साबित हो रहे हैं। अर्थशास्त्री, व्यापार विशेषज्ञ, भू-राजनीतिक विशेषज्ञ और आम आदमी, शायद हर कोई राष्ट्रपति ट्रम्प के टैरिफ संबंधी तीखे हमले की चर्चा कर रहा है। हम जानते हैं कि 2 अप्रैल 2025 से राष्ट्रपति ट्रम्प दुनिया भर के देशों पर अत्यधिक उच्च टैरिफ, जिसे वे पारस्परिक टैरिफ कहते हैं, लगा रहे हैं।

तर्क यह है कि अन्य देश उच्च टैरिफ लगा रहे हैं, इसलिए वे भी उन पर पारस्परिक टैरिफ लगा रहे हैं। हम समझते हैं कि उच्च जीडीपी के साथ, अमेरिका जो दुनिया में सबसे अधिक है, में लगभग कोई उत्पादन नहीं होने के कारण, यह दुनिया का सबसे बड़ा बाजार है जहां लगभग हर देश निर्यात कर रहा है।

चीन अमेरिका का सबसे बड़ा निर्यातक है, और यद्यपि भारत चीन की तुलना में संयुक्त राज्य अमेरिका को बहुत कम निर्यात करता है, फिर भी, संयुक्त राज्य अमेरिका भारत का शीर्ष व्यापारिक भागीदार रहा है। वित्तीय वर्ष 2025 में, भारत का अमेरिका को निर्यात 86.5 बिलियन डॉलर था, जबकि आयात 45.3 बिलियन डॉलर था, जिसके परिणामस्वरूप भारत के लिए 41 बिलियन डॉलर का वस्तु व्यापार अधिशेष था।

वित्तीय वर्ष 2025 में, भारत का अमेरिका के साथ सेवा व्यापार अधिशेष भी लगभग 3.2 बिलियन डॉलर था, जिसमें 28.7 बिलियन डॉलर का निर्यात और 25.5 बिलियन डॉलर का आयात था।

इससे वित्तीय वर्ष 2025 में भारत का कुल व्यापार अधिशेष लगभग 44.4 बिलियन डॉलर हो गया। लेकिन वस्तुओं और सेवाओं का व्यापार हमें पूरी तस्वीर नहीं दे सकता। कुछ विश्लेषण बताते हैं कि शिक्षा (जहां भारतीय छात्र सालाना अरबों डॉलर खर्च करते हैं), डिजिटल सेवाओं और रॉयल्टी जैसी सेवाओं को ध्यान में रखते हुए, अमेरिका का भारत के साथ वास्तव में एक महत्वपूर्ण समग्र अधिशेष हो सकता है। अगर आप ट्रंप के टैरिफ से प्रभावित देशों पर नजर डालें, तो उनकी प्रतिक्रिया एक जैसी नहीं है।

कुछ देश ऐसे हैं जो पहले ही अमेरिका के साथ व्यापार समझौता कर चुके हैं, जबकि कुछ ऐसे भी हैं जो भविष्य में किसी समझौते के लिए अमेरिका के साथ बातचीत कर रहे हैं और कुछ ऐसे भी हैं जिन्होंने जवाबी कार्रवाई करने का विकल्प चुना है, और वे अमेरिका के सामने झुकने को तैयार नहीं हैं, भले ही इससे उन्हें अमेरिकी बाजारों का नुकसान उठाना पड़े।

भारत दूसरी श्रेणी में आता है, जो अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा है, लेकिन अभी तक अमेरिका के साथ कोई समझौता नहीं हुआ है। चीन तीसरी श्रेणी में आता है, जो शुरू में अमेरिका के साथ बातचीत कर रहा था, लेकिन अब अमेरिका के खिलाफ जवाबी रुख अपना रहा है।

भारत की रणनीतिक और नीतिगत प्रतिक्रियाएं : भारत ने दबाव, कूटनीति, आंतरिक समर्थन और पुनर्निर्देशन के बीच संतुलन बनाते हुए एक संतुलित और बहुआयामी दृष्टिकोण अपनाया है। अपने कूटनीतिक और बातचीत के विकल्प खुले रखते हुए और बातचीत करने, मुद्दों को सुलझाने और तुरंत जवाबी कार्रवाई करने के बजाय अमेरिका से बातचीत करने की इच्छा का संकेत देते हुए, भारत ने बढ़ते व्यापार युद्ध से बचने और रणनीतिक संबंधों को बनाए रखने की कोशिश की है।

इस संदर्भ में भारत ने लचीलापन और सद्भावना दिखाई है। भारत ने अमेरिकी दबाव कम करने के लिए कुछ अमेरिकी वस्तुओं (जैसे व्हिस्की, मोटरसाइकिल) पर शुल्क भी कम किया है। लेकिन साथ ही, भारत अपने निर्यात (विशेषकर वस्त्र) को नए बाजारों की ओर बढ़ा रहा है, ताकि अमेरिकी बाजार पर निर्भरता कम हो सके। हालांकि नए बाजार अमेरिकी पैमाने या मांग के अनुरूप नहीं हो

सकते, लेकिन ये निश्चित रूप से अमेरिकी टैरिफ और अमेरिकी बाजार के संभावित नुकसान से उत्पन्न होने वाले जोखिमों से बचाव में मदद करेंगे। सरकार प्रभावित निर्यातकों को राहत और सहायता प्रदान करने पर विचार कर रही है।

हालांकि, कुछ क्षेत्रों में यह आशंका व्यक्त की जा रही है कि राजकोषीय बाधाएं इन राहतों के दायरे को सीमित कर सकती हैं, लेकिन हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि अमेरिका और भारत के बीच एक मुद्दा रूसी तेल की खरीद है, जिससे भारत सालाना एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की बचत कर रहा है, और यदि इस बचत का एक अंश अमेरिकी टैरिफ से प्रभावित निर्यातकों को राहत प्रदान करने के लिए उपयोग किया जाता है, तो भी भारत को बड़ा लाभ हो सकता है।

हालांकि, कुछ क्षेत्रों में, सुलह के दृष्टिकोण को कमजोरी के रूप में देखा जा सकता है, भारत के सकारात्मक दृष्टिकोण ने निश्चित रूप से तत्काल तनाव बढऩे से बचने में मदद की है। भारतीय नेताओं (जैसे रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह) ने कहा है कि भारत ने 'व्यापक सोच और उदारता' का हवाला देते हुए 50 फीसदी टैरिफ पर तुरंत प्रतिक्रिया नहीं दी।

लेकिन, बौद्धिक हलकों में यह समझ है कि भारत का दृष्टिकोण अधिक परिपक्व है और उसकी सराहना भी हो रही है, हालांकि प्रमुख अर्थशास्त्रियों और आवाजों ने अमेरिकी टैरिफ नीति की साजनिक रूप से आलोचना की है, और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की गीता गोपीनाथ ने तो अमेरिकी दृष्टिकोण को नकारात्मक स्कोरकार्ड तक कह दिया है।

ट्रम्प के टैरिफ से व्यवधान : ट्रम्प के टैरिफ से पहला व्यवधान अमेरिका में ही हो रहा है। अमेरिका में लोगों को टैरिफ का असर पहले ही महसूस होने लगा है, क्योंकि हम जानते हैं कि इन टैरिफ के कारण अमेरिका द्वारा आयात किए जा रहे उत्पादों की लागत बढ़ रही है।

हालांकि, ट्रंप के टैरिफ का पूरा असर आने वाले समय में ही पता चलेगा, क्योंकि दुकानों में पहले से मौजूद स्टॉक पुरानी कीमतों पर ही बिक रहा है और कुछ शिपमेंट जो पहले से ही चल चुके थे, वे भी कम कीमतों पर, लेकिन ऊंचे टैरिफ के साथ आ सकते हैं, क्योंकि भारत और अन्य देशों के अधिकांश निर्यातक पहले ही अमेरिकी खरीददारों के साथ डिस्काउंट देने की बातचीत कर चुके हैं और इसलिए फिलहाल कीमतों पर बहुत कम असर होगा।

लेकिन बाद में जब सभी आयातों पर पूर्ण टैरिफ लगाया जाएगा, तो कीमतों पर असर गंभीर होगा। कई उत्पाद ऐसे हैं, जिन पर टैरिफ लगाया जाता है, अमरीका को आयात करना ही पड़ता है, चाहे स्थिति कैसी भी हो। दवा उत्पादों पर ऊंचे टैरिफ से स्वास्थ्य लागत बढ़ेगी। संसाधनों की कमी के कारण अमेरिकी प्रशासन किसी भी स्थिति में उपभोक्ताओं को मुआवजा नहीं दे पाएगा।

अगर ट्रंप प्रत्यक्ष करों में कमी भी करते हैं, तो इसका फायदा केवल उच्च आय वर्ग को होगा, और कम आय वाले या सरकारी खैरात पर जीने वाले लोगों को इसका असली खामियाजा भुगतना पड़ेगा। अमेरिका में मुद्रास्फीति के कारण ब्याज दरें बढऩा तय है, जिससे अमेरिकी निवासियों के लिए स्थिति और भी खराब हो सकती है, क्योंकि उन्हें आवास और अन्य उपभोक्ता उत्पादों के लिए पहले से लिए गए ऋणों पर उच्च ब्याज दरें चुकाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा।

टैरिफ का विभिन्न वर्गों पर अलग-अलग प्रभाव पडऩे की संभावना है, लेकिन निश्चित रूप से सबसे ज्यादा असर समाज के सबसे निचले तबके पर पड़ेगा। कुछ उद्योग कहीं ज्यादा प्रभावित हैं (इस्पात, ऑटोमोबाइल, उच्च तकनीक, कृषि)।

निर्यात या आयात पर निर्भर क्षेत्रों को असमान रूप से नुकसान पहुंच रहा है। कृषि क्षेत्र में, अमेरिकी किसानों ने बाजार खो दिए हैं (उदाहरण के लिए, चीन ने अमेरिका से सोया की खरीद कम कर दी है)। तीसरा, कुछ अर्थशास्त्रियों को डर है कि ये शुल्क अमेरिका में सकल घरेलू उत्पाद और मजदूरी को प्रभावित करेंगे। बहरहाल भारत अपने हितों की रक्षा करते हुए, प्रतिकूल भारत-अमेरिका संबंधों में अत्यधिक संयम बरत रहा है, जिसे शायद अधिक विवेकपूर्ण कदम माना जा रहा है।

(लेखक पूर्व कालेज प्रोफेसर है)

दिवाली और छठ पूजा को घर जाने के लिए ट्रेन में बढ़ती भीड़, यात्री परेशान

कांतिलाल मांडोत

गुजरात में सूरत उधोग और डायमंड उधोग में रोजगार के लिए उतर भारत के लोगो की संख्या करीब 15 लाख तक पहुंच गई है। दिपाली, छठ पूजा और बिहार चुनाव तीनो अवसर एक साथ आ जाने से सूरत सहित सूरत के उधना स्टेशन पर अप्रत्याशित भीड़ उमड़ रही है।

दिवाली और छठ पूजा में गिनती के दिन बाकी है। उसी तरह मुम्बई से उदयपुर, भीलवाड़ा, चितौड़गढ़ वाया अहमदाबाद से जाने वाली ट्रेन की कमी का खामियाजा सात लाख प्रवासी भोग रहे है। रोजगार ढूंढने आने वाले व्यापारी वर्ग, उधोगपतियों और श्रमिको को घर जाने पर आवागमन की सुविधा नही मिलती है।

सूरत शहर में कपड़ा, डायमंड उधोग से जुड़े मजदूर वर्ग को दिवाली वैकेशन का इंतजार रहता है। सिल्क सिटी और डायमंड नगरी के नाम से प्रख्यात सूरत में लाखों प्रवासी श्रमिक हर साल त्योहारों में अपने वतन परिवारों के पास पहुंचते है। खासकर, बिहार चुनाव के मद्देनजर रवानगी लेने वालों की संख्या बहुत बढ़ गई है। स्टेशन पर जगह जगह पर अफरातफरी का माहौल है।

ट्रेनों में सीट पाने के लिए धक्का-मुक्की की नौबत आ रही है। कई लोग शौचालय में बैठकर सफर कर रहे है। रेलवे स्टेशन पर भीड़ नियंत्रण के लिए इन्तजाम किये गए है। स्टेशन पर हर कोने पर सीसीटीवी की निगरानी है। लेकिन आलम यह है कि हर बार की तरह यात्री इस बार भी बहुत परेशान हो रहे है। भीड़ वाले हिस्सो में सर्विलांस भी किये गए है।

दिवाली अवकाश को लेकर उतर प्रदेश, बिहार, झारखंड और ओडिसा सहित राजस्थान रवाने होने वाले यात्रियों की उधना रेलवे स्टेशन पर भारी भीड़ देखने को मिली है। देश भर में 12 हजार स्पेशल ट्रेनें चलाने का फैसला लिया है। जो 15 नवम्बर तक जारी रहेगी। स्पेशल ट्रेन का सफर फेस्टिवल तक सुविधा उपलब्ध की जा सकती है। लेकिन मुम्बई उदयपुर के लिए प्रतिदिन एक भी ट्रेन उपलब्ध नही है। उदयपुर के लिए साप्ताहिक तीन दिन ट्रेन चलती है। इसके लिए उधोग जगत से जुड़े हुए उधोगपतियों ने रेलवे मंत्री से भी गुहार लगाई है। लेकिन रेल सेवा उपलब्ध नही हुई।

मेवाड़ प्रवासियों की संख्या 8 लाख है। मुम्बई और सूरत में कपड़ा उधोग और डायमंड उधोग से जुड़े व्यापारियों और श्रमिको को हररोज बतौर आवागमन करना पड़ता है। सूरत से मेवाड़ के लिए सीधी निजी बसों की सुविधा है। सरकार की एक भी बस सूरत से उदयपुर के लिए नही है।

ऐसे हालात में प्रवासियों को बहुत तकलीफ का सामना करना पड़ता है। उतर भारत का भी यही आलम है। अहमदाबाद पटना स्पेशल ट्रेन 1 अक्टूबर से 15 नवम्बर तक, सप्ताह में दो बार चलेगी। सूरत दरभंगा हर तीन दिन में एक ट्रेन की सुविधा दी जा रही है। बांद्रा टर्मिनल गोरखपुर स्पेशल छठ की पूर्व संध्या पर विशेष ट्रेन, वापसी की व्यवस्था सहित चलाई जा रही है। लेकिन इसके बावजूद सूरत से जाने वालों की संख्या इस बार लाखो है।

तब सवाल उठता है कि बड़ी संख्या में यात्रियों को परेशान होना पड़ रहा है। विशेष ट्रेनों के बजाय नियमित अनरिजर्व्ड ट्रेनों की व्यवस्था की घोषणा की है। फिर भी यात्रियों की संख्या बहुत अधिक है कि अतिरिक्त ट्रेनें भी कम पड़ रही है। यात्रियों से अपील की जा रही है कि शांति बनाए रखे। टेक्सटाइल उधोग और डायमंड उधोग का प्रमुख केंद्र है। जहाँ बड़ी संख्या में उत्तरभारतीयों और राजस्थान सहित मेवाड़ उदयपुर के प्रवासी है।

ये प्रवासी कपड़े की मिलो में काम करते है। जहां से अरबो रुपये का राजस्व रेलवे और केंद्र सरकार को जाता है। लेकिन परिवहन सेवा के लिए आज भी लाखों प्रवासी झुंझ रहे है। सरकार सुनती नही है। कई बार उदयपुर के लिए मेवाड़ रेल चलाओ अभियान की मुहिम चला कर ज्ञापन प्रेषित किया जा चुका है। लेकिन इन प्रवासियों की मांगे मंजूर नही की जा रहीं है। सूरत पर सरकार को आवागमन पर ध्यान केंद्रित करना होगा।

उदयपुर मेवाड़ के लिए मुम्बई और सूरत से वाया अहमदाबाद होकर गुजरने वाली एक भी प्रतिदिन चलने वाली ट्रेन की सुविधा नही है। प्रवासी यात्रियों की पीड़ा काश कोई अनुभव कर सकता तो निश्चित ही ट्रेन सुविधा उपलब्ध करा दी गई होती। उत्तरभारत के दिवाली, छठ और बिहार चुनाव के इस संगम को ध्यान में रखते हुए रेलवे मंत्रालय विशेष ट्रेन की सुविधा दिवाली के पूर्व उपलबन्ध करानी होगी, तभी लोगो का आवागमन सुलभ हो सकता है।

उधना में होर्डिंग एरिया में सैकड़ो श्रमिक एकट्ठा हुए हैं। जबकि लाइन लगाकर ट्रेन में बैठने के लिए जान पड़ता है। यात्रियों की भारी भीड़ को देखते हुए स्थाई समाधान कराया जाए। क्योंकि छठ, पूजा और बिहार चुनाव में सुविधा उपलब्ध हो सकती है। लेकिन उदयपुर मेवाड़ के लिए कई बार ट्रेन उपलबन्ध कराने की मांग स्वीकृत नही हुई है।

सूरत से उदयपुर के लिए सप्ताह में तीन दिन यात्रियों को सेवा उपलब्ध कराई जा रही है। वह नाकाफी है। सूरत से निजी बसों का संचालन है। वे मनमाफिक किराया वसूल कर रहे है। सीजन में डबल स्लीपर की रेट उदयपुर के लिए तीन हजार तक मुकर्रर की जाती है।

लेकिन उसके बाद भी प्रवासियों को परेशान होना पड़ता है। प्रवासियों की जरूरतों को ध्यान में रखकर ट्रेन सुविधाओं पर रेल मंत्रालय ध्यान आकृष्ट कर सुविधा उपलब्ध कराई जाए। देश में 12 हजार स्पेशल ट्रेन शुरू की गई है। लेकिन सूरत में तो ऊंट के मुह में जीरा वाली कहावत ही चरितार्थ होती दिखाई दे रही है।

उदयपुर, चितौड़गढ़ के बीच सूरत से दूरिया कम होने के कारण यात्रियों का आवागमन होता ही रहता है। जबकि उतर भारतीय तो सालभर में एक बार घर लौटते है। भीड़ की वजह से परिवार बच्चों के साथ यात्रा करने पर अधिक तकलीफ होती है। धक्का-मुक्की से परेशान बच्चे और मेरारु के लिए पीड़ादायक है।

सूरत में होर्डिंग एरिया में पैर रखने की जगह नही है। हालात काबू में करने के लिए रेलवे पुलिस ने मैनेजमेंट की व्यवस्था की है। चप्पे चप्पे पर पुलिसकर्मियों की तैनाती है। होर्डिंग एरिया में यात्रियों को कतारबद्ध तरीके से खड़े रहने और बैठने की व्यवस्था की गई है। अस्थाई सुविधा के लिए बिहार विकास परिषद और सामाजिक संगठनों ने रेलवे सुविधा देने के लिए अपील की गई है।

उधर मेवाड़ रेल चलाओ अभियान के कार्यकर्ताओं ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से गुहार लगाई है।

मेवाड़ रेल चलाओ अभियान के अध्यक्ष सुरेश लौढा ने बताया कि उदयपुर के लिए हररोज दो ट्रेन की आवश्यकता है। जिसको प्रतिदिन मुम्बई से वाया अहमदाबाद होकर उदयपुर और मावली तक सेवा दी जानी चाहिए, जिससे समस्या का समाधान हो जाएगा। मुम्बई से 750 की दूरी है। जबकि उदयपुर सूरत की 450 किमी की दुरी है।

यहां से हर रोज लोगो का आवागमन होता है। दरअसल, उत्तरभारत के लिएभी ट्रेन सुविधा उपलब्ध कराई जानीही चाहिए।

लेकिन उनके लिए फेस्टिवल ट्रेन का बहुत महत्व है। क्योंकि उनको हररोज उत्तरभारतीयों को नही जाना होता है। ट्रेन में इस वक्त सवार होना किसी जंग से कम नही है। धक्का मुक्की कर ट्रेन में प्रवेश भी कर दिया तो अंदर जाकर खड़ा ही रहना पड़ता है। जिससे किसी अनहोनी को नजरअंदाज नही किया जा सकता है।

दिवाली महापर्व और उसके बाद बिहार-उत्तर प्रदेश में छठ के त्योहार पर कंफर्म रेल टिकट की मारामारी के चलते प्रवासियों के लिए घर जाना मुश्किल हो रहा है। मध्यप्रदेश राजस्थान छत्तीसगढ़ और गुजरात से बिहार-उत्तर प्रदेश जाने तथा दक्षिण भारत से इन प्रदेशों में आने वाली प्रमुख ट्रेनों में नवंबर के दूसरे सप्ताह तक कंफर्म टिकट नहीं मिल रहा।

सूरत में उधोग से जुड़े श्रमिकों के लिए उत्तरप्रदेश, बिहार, छतीसगढ़, राजस्थान, एमपी आदि राज्यों के लिए ट्रेन सुविधाए उपलब्ध कराए, जिससे श्रमिको को आवाजाही में परेशानी नही हो सके।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार साहित्यकार है)

बिहार विधानसभा चुनाव में अपने ही गढ़ में अपनों को चुनौती

कांतिलाल मांडोत

बिहार के विधानसभा चुनाव का पारा चढ़ने लगा है।बिहार में 365 दिन राजनीति होती रहती है।2020 में राजद ने बिहार में 75 सीटे प्राप्त कर सरकार तो नही बना पाए, लेकिन विपक्ष को एक बार सोचने के लिए मजबूर कर दिया।इन दिनों भाजपा को एक तरफा सफलता मिलने की अटकलें लगाई जा रही है।बिहार विधानसभा चुनाव से देश में हलचल बढ़ गई है।

हर एक के मुह पर एक ही बात है, कौन जीतेगा चुनाव ?बिहार में माहौल पूरी तरह से बदला हुआ नजर आ रहा है।क्योंकि कांग्रेस भी राजद के सहयोग से हाथ को मजबूत करने में लगी है।

लालू को हाशिये में डाले जा चुके है।बिहार में तारीख का ऐलान होने के बाद लालू भी मीडिया के समक्ष अपने बयान में नीतीश पर तंज कसते हुए कह रहे है कि छह और ग्यारह, एनडीए नौ दो ग्यारह मतलब डबल इंजन सरकार की विदाई। राजद में ताकतवर नेता की जरूरत है।

लालू ने बिहार में 15 साल तक शासन किया लेकिन जनता इस पर क्या सोचती है, यह जनता की सोच का आधार है।वैसे भी लालू का राजनीति में अब कोई औचित्य नही है।क्योंकि उनकी तबियत खराब रहती है।तेजस्वी यादव और तेजप्रताप की दूरिया से घर में दीवार खड़ी हो चुकी है।

फिलहाल, लालू तेजस्वी के लिए प्रचार के लिए सड़क पर भले नही उतरते नजर आए, लेकिन बिहार चुनाव में तेजस्वी के लिए वोट मांगना और तेजस्वी को जीत का आशीर्वाद देना लालू की नैतिक जवाबदेही है। भले वे तेजप्रताप के लिए कुछ नही कहे, पर तेजस्वी को राजनीति के गुर सिखाने राजनिति के मंच पर जरूर खड़े नजर आएंगे।

समाजवादी ड्रामा की तरह ही तेजस्वी और तेजप्रताप का विद्रोह कई महीनों तक यू ही चलता रहा।लालू के मार्गदर्शन में तैयार किये नेता तेजस्वी के लिए कितने तैयार है, यह परखा जाना बाकी है। भाजपा की तैयारी से इतना तो साफ है कि लड़ाई इस बार बिहार में बहुत तेज होगी।

कांग्रेस और राजद के गठबंधन में बिहार में दोनो दल रोड शो में नजर आ सकते है।लेकिन बिहार में जो ताकत गठबंधन की मिलनी चाहिए थी, वह नही मिल पा रही है।उधर, बिहार चुनाव की घोषणा होते ही भारतीय जनता पार्टी ने नया 25 से 30, हमारे दो भाई नरेंद्र और नीतीश।यानी 2025 से 2030 तक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही होंगे।भाजपा ने सोशल मीडिया में कुछ ऐसे ही नारे लिखे। जैसे, बिहार में जारी रहेगी विकास की तेज रफ्तार, 14 नवम्बर को फिर एक बार एनडीए सरकार।जनता का विश्वास, फिर से एनडीए की सरकार।बस 38 दिन का इंतजार, थमेगी नही विकास की रफ्तार।बिहार की जनता का मूड, मन मिजाज सिर्फ एनडीए के साथ।और 160 से अधिक सीटो पर जीतकर14 नम्बर को आ रही प्रचंड बहुमत की सरकार।

बिहार में तेजस्वी की साख अपने पिता लालू की सरकार की राजनीतिक कुशलता से आंकी जाएगी।लालू की दोहरी पटरी को जनता आज दिन नही भूल पाई है।कथनी और करनी में भेदरेखा के चलते जनता का भरोसा टिक नही पाता है।उनके पिता लालू ने अपने विरासत में लड़कों को क्या दिया है।उस जड़ो के आधार से वर्तमान राजनीति सुनिश्चित की जाती है।

बिहार विधानसभा में कई नेताओं को कसौटी पर कसा जाएगा।वैसे तो कांग्रेस की प्रतिष्ठा इस बार दांव पर है क्योंकि कांग्रेस के बड़े नेता राहुल गांधी ने तेजस्वी के साथ राजनीतिक दोश्ती का हाथ बढाकर अपने ही पैरो पर कुलाड़ी मारी है। यूपी में समाजवादी के साथ गठबंधन में कांग्रेस और समाजवादी दोनो की लुटिया डूब गई थी। फिर महागठबंधन में ये दल शामिल हो गए। लेकिन इस बार इन दलों की सफलता के लिए मशक्कत करनी पड़ेगी।क्योकि एनडीए की गठबंधन सरकार ने दोनों हाथों से जनता को मदद की है।

राजद मुसलमानों को अपने पाले में लाने की कोई कसर नही छोड़ेगी।उनका प्रयास है कि भाजपा और नीतीश को हराने के दमखम राजद में ही है।हाल के दिनों में मुस्लिम उलेमाओं का खुलकर रजद के पक्ष में आना भी कांग्रेस के लिए चुनौती बन सकती है।वैसे भी तुष्टिकरण की राजनिति करने वाली कांग्रेस ने मुसलमानों के साथ अन्याय ही किया है।उनको लालच देकर वोट हासिल करने वाली कांग्रेस का असली चेहरा भाजपा की सरकार बनने के बाद पता चला।

क्योकि कांग्रेस के शासनकाल में किसी को बोलने नही दिया जाता था।अब कांग्रेस बोल रही है तो देश में उसकी कोई भी सुन नही रहा है।समय बीत चुका है।मुसलमानों को सहेजना कांग्रेस, राजद के लिए और कठिन हो गया है। क्योंकि एनडीए के शासनकाल में मुस्लिम आवाम सुरक्षित और सुखी है।राजद ओबिसी और बीईसी पर नजर गाढ़े हुए है।भाजपा अतिपिछड़ों और अति दलितो को साथ लेकर मोदी और नीतीश के नेतृत्व में मैदान में है।

प्रधानमंत्री आवास योजना के लाभार्थियों के लिए और सरकार की मदद ले रही जनता के लिए नीतीश के सिवा दूसरा विकल्प नजर नही आ रहा है।इन परिस्थितियों में बिहार में चुनाव त्रिकोणात्मक होगा। केंद्र की सरकार ने भ्रष्टाचार के खिलाफ मुहिम छेड़ रखी है।सबसे अच्छी बात तो यह है कि नीतीश कुमार की छवि साफ और निखरी हुई है।बिहार में इतने वर्षों में कोई भ्रष्टाचार सामने नही आया है।

विकास और साफ छवि वाली सरकार के मद्देनजर जनता फिर से नीतीश की झोली भर दे तो कोई अतिश्योक्ति नही होंगी। राजनीतिक दलों की सोच से आम लोगो की सोच अलग है।लोगो के मन को भांप लेना बड़ा मुश्किल है।बिहार से घुसपैठ का मुद्दा उठाना और पाकिश्तान को मुंहतोड़ जवाब देने जैसे महत्वपूर्ण कार्यो के लिए एनडीए सरकार का हाथ मजबूत करने के लिए मतदाता तैयार है।उनका कहना है कि मोदी ने देशहित में लिए गए निर्णय काबिलेतारीफ है।

इस बार नीतीश की सरकार बनने की उम्मीद लगा रहे है। लालू कहते है कि हम नीतीश और मोदी की हवा निकाल देंगे और छह और ग्यारह, एनडीए नौ दो ग्यारह का नारा दे रहे है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कार्यकुशलता नीतियों से मतदाता प्रभावित है। इस बार मौका देने की चर्चा पटना में जोरो पर है।राजद के सुप्रीमो और लालू यादव होते हुए भी यादवों के लिए कुछ भी नही किया। नीतीश आज भी हर जाति के लोगो के साथ है। नीतीश यदुवंशियों का सम्मान करते है। बिहार में विधानसभा के लिए मतदान का क्रम शुरु होने से पहले प्रचार में लालू का घास चारा और कांग्रेस का भ्रष्टाचार चुनावी मुद्दा जरुर बनेगा।साफ है कि बिहार में साम्प्रदायिक आधार पर ध्रुवीकरण की राजनीति का खेल शुरु हो गया है।

हालांकि बिहार में मोदी और नीतीश पूर्व सरकारों के भ्रष्टाचार के खिलाफ अभियान पर ही केंद्रित करना चाहते है।हालांकि, इन दलों के पास सतारूढ़ पार्टी को घेरने के ऐसे कठोर कोई मुद्दे नही है, जिस पर ये दल वोट बटोर सके।आरोप प्रत्यारोप की राजनीति हर मंच से शुरू होगी।

राहुल ने वोट चोरी पर आरोप लगाकर दिवालियेपन का ही उदाहरण दिया है।राहुल को कांग्रेस का इतिहास पढ़ना चाहिए क्योंकि हररोज अखबार खोलते ही पाठकों को कांग्रेस के कारनामो का ही समाचार पढ़ने को मिलता था।भ्रष्टाचार मुक्त देश एनडीए का नारा है।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार एवं स्तम्भकार है)

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। संपादक : संजय शर्मा
फोन: 9899683800 वेबसाइट : www.khabariya.com ई-मेल: todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com RNI-UPHIN/2009/30721

प्रदेश में कफ सिरप बनाने में हो रही है अनदेखी, पूरे सूबे में उतरीं जांच के लिए केंद्रीय टीमें

लखनऊ , एजेंसी। प्रदेश में कफ सिरप बनाने के मानकों की अनदेखी हो रही है। कई फर्म जुगाड़ से चल रही हैं तो कुछ ने आवश्यक दस्तावेज भी पूरे नहीं किए हैं। यह खुलासा हुआ है विभिन्न फर्मों की जांच में। अब केंद्रीय टीम भी उत्तर प्रदेश में निगाह गड़ा दी है। सोमवार को इस टीम ने हापुड़ में पांच नमूने लिए। यह टीम अन्य जिलों में भी रैंडम जांच करेगी।

राजस्थान एवं मध्य प्रदेश में कफ सिरप से बच्चों की मौत के बाद उत्तर प्रदेश में भी जांच अभियान चलाया गया है। प्रदेश में मौजूद कफ सिरप बनाने वाली 37 कंपनियों में 17 सिरप निर्माण में लगी हैं। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने इनकी जांच की। निर्मित सिरप के साथ ही कच्चे माल के भी नमूने लिए गए हैं। अब तक विभिन्न कंपनियों करीब 780 नमूने लैब में भेजे गए हैं। इनकी जांच शुरू हो गई है। इस बीच विभिन्न जिलों से आई जांच रिपोर्ट का आकलन किया गया तो नतीजे चौकाने वाले मिले हैं। कंपनियों में स्वच्छता के मानकों की अनदेखी पाई गई है। निर्धारित उपकरणों का अभाव, कई जरूरी दस्तावेज भी नहीं मिले हैं। ऐसे में लखनऊ, सहारनपुर, मथुरा और अलीगढ़ की एक-एक कंपनी में सिरप निर्माण कार्य रोक दिया गया है। अन्य को नोटिस जारी किया गया है। सिरप और कच्चे माल के नमूनों की जांच रिपोर्ट आने के बाद संबंधित फर्म के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

केंद्रीय टीम ने यूपी में डाला डेरा : दवाओं की गुणवत्ता जांचने के लिए एफएसडीए की केंद्रीय टीम सोमवार से उत्तर प्रदेश में पहुंच गई है। सोमवार को हापुड़ में सिरप निर्माण में लगी फर्म की जांच की गई। मौके से पांच नमूने लिए गए हैं। आयुक्त और उप आयुक्त स्तर के अधिकारी के नेतृत्व में गठित यह टीम स्थानीय औषधि निरीक्षक के साथ अलग- अलग जिलों में जाएगी। निर्माण में लगी कंपनी के साथ ही मेडिकल स्टोर से भी कफ सिरप के नमूने लेगी। इन नमूनों की जांच के बाद संबंधित निर्माता फर्म के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

प्रदेश भर में फैला है कोडिन सिरप का कारोबार : लखनऊ में बरामद कोडिन कफ सिरप का बाजार पूरे प्रदेश में फैला है। पकड़े गए आरोपियों ने स्वीकार किया था कि उनके कारोबार के केंद्र में दवा से ज्यादा नशे में प्रयोग करने वाले हैं। ऐसे में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने लखनऊ के मेडिकल स्टोरों से मिले दस्तावेजों की पड़ताल की तो कई जिलों में यहां से बड़ी खेप पहुंची है। पूर्वांचल और अवध क्षेत्र के अलग- अलग जिलों में पकड़ में आए मामले और पूछताछ के दौरान नेपाल व बांग्लादेश भेजे जाने के सबूत मिल रहे हैं। विभागीय टीम इस रैकेट को पूरी तरह से खत्म करने में जुटा है। लखनऊ से मिले सबूत के आधार पर रायबरेली और सीतापुर में 2600 शीशी बरामद हुई है। सोमवार को बहराइच और सुल्तानपुर में भी कोडियुक्त सिरप मिले हैं। दोनों जिलों में एक-एक मेडिकल स्टोर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

वॉक करते कपड़ा व्यापारी को वाहन ने मारी टक्कर, रोहटा रोड ओवरब्रिज से गिरे, तड़पते हुए 15 मिनट में मौत

मेरठ , एजेंसी। मॉर्निंक वॉक पर निकले कपड़ा व्यापारी अजय जैन एक वाहन ने टक्कर लगने के बाद रोहटा रोड ओवरब्रिज से 20 फीट नीचे गिर गए। मौके पर ही व्यापारी की मौत हो गई। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की मदद से आरोपी वाहन चालक की तलाश कर रही है। वहीं मृतक के परिजनों का रोते हुए बुरा हाल था।

रेलवे रोड थाना क्षेत्र स्थित जैन नगर निवासी अजय कुमार जैन दिल्ली में कपड़े के व्यापारी थे। वह प्रतिदिन सुबह रेलवे रोड से होकर रोहटा रोड ओवरब्रिज तक टहलने के लिए जाते थे। सोमवार सुबह करीब 6 बजे वह घर से सैर करने के लिए निकले थे। ओवरब्रिज पर पहुंचे तो पीछे से तेज रफ्तार में आए वाहन ने टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि वह ओवरब्रिज से नीचे जा गिरे।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कपड़ा व्यापारी करीब 15 मिनट तक तड़पते रहे और मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना के बाद मौका पाकर आरोपी चालक वाहन के साथ भाग गया। राहगीरों ने घटना की जानकारी रेलवे रोड थाना पुलिस को दी। पुलिस ने कपड़ा व्यापारी के मोबाइल से कॉल करके उनकी पहचान करते हुए परिजन को हादसे की जानकारी दी।

सूचना पर परिजन रोते-बिलखते मौके पर पहुंचे। परिजन आनन-फानन अजय जैन को अपनी कार से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां पर चिकित्सक ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। इसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अजय जैन के परिवार में पत्नी, दो बेटे और एक बेटी है। सीओ कैंट नवीना शुक्ला ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज से वाहन की तलाश की जा रही है। जल्द ही उसका पता लगा लिया जाएगा। परिजनों से तहरीर मिलने पर रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

शक्ति संवाद में बालिकाओं को मिली सेहत व सुरक्षा की सीख

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मिशन शक्ति 5.0 के अंतर्गत एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी अजित कुमार के निर्देशन में मंगलवार को नुमाइश ग्राउंड में आयोजित यूपी ट्रेड शो स्वदेशी मेले के अंतर्गत "शक्ति संवाद" कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. मोनिका अग्रवाल ने किशोरियों को स्वास्थ्य संबंधी उपयोगी जानकारियां दीं, वहीं ताइक्वांडो रेफरी शालिनी चौहान ने आत्मरक्षा के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बच्चियों को आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित किया। इस अवसर पर विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों ने भी अपने अनुभव साझा किए और बताया कि मिशन शक्ति के माध्यम से उनके जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। कार्यक्रम में महिला कल्याण विभाग की हितेश कुमारी, सीमा अब्बास, वर्षा शर्मा, सीमा सिंह एवं नीतू सारस्वत उपस्थित रहीं।

मिशन शक्ति अभियान लक्ष्य की प्राप्ति के लिये टीम भावना से कार्य करें :सीएमओ

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

मिशन शक्ति अभियान 5.0 के अंतर्गत मंगलवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, जवां पर एएनएम एवं आशा स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की सहयोगात्मक समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य चिकित्साधिकारी अलीगढ़ डॉ. नीरज त्यागी द्वारा की गई।

बैठक में गर्भवती माताओं एवं किशोरियों की स्वास्थ्य देखभाल में सुधार, शीघ्र पंजीकरण, संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने, आयरन-फोलिक एसिड के नियमित सेवन तथा पोषण परामर्श के माध्यम से जनसमुदाय को अधिकाधिक जागरूक करने पर विशेष बल दिया गया।

महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं के उत्साहवर्धन एवं प्रेरणा हेतु कुछ एएनएम कार्यकर्ताओं को बैठक की अध्यक्षता का अवसर भी प्रदान किया गया। मिशन शक्ति के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए सभी स्वास्थ्य कर्मियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया गया।

सोच को बदले व स्वच्छता को अपनी आदत बनाये व नगर निगम का करें सहयोग

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश अभियान के तहत मुख्यमंत्री की मंशा के अनुरूप विकसित उत्तर प्रदेश के शताब्दी पर्व के सम्बंध में आयोजित विशेष सत्र/सम्मेलन गोष्ठी में प्रबुद्ध जनों व धार्मिक गुरुओ ने बिना किसी भेदभाव के अलीगढ़ के विकास व उत्तर प्रदेश को विकसित प्रदेश बनाने में एक जूट होकर मुख्यमंत्री के नेतृत्व व उत्तर प्रदेश सरकार की योजनाओं की सराहना करते हुए विकसित उत्तर प्रदेश के स्वप्न को साकार करने का संकल्प व अनेको वक्ताओ ने अलीगढ़ की स्वच्छता को बेहतर बनाने के लिए अपने दायित्व को समझने की बात कही।

कल्याण सिंह हैबिटेट सेंटर में आयोजित प्रबुद्ध सम्मेलन में मंचासीन महापौर प्रशांत सिंघल, उपसभापति ठाकुर दिनेश जादौन, नगर आयुक्त प्रेम प्रकाश मीणा, अपर नगर आयुक्त राकेश कुमार यादव की अगुवाई में शहर के विभिन्न वर्ग जिनमे पार्षद, आईएमए, डॉक्टर, अलीगढ़ मुस्लिम यूनिवर्सिटी, व्यापार मंडल, स्कूल कालेज, एडवोकेट, शिक्षक मीडिया वर्ग के लोगों ने शहर की ट्रैफिक व्यवस्था, साफ सफाई, अतिक्रमण, मार्ग प्रकाश, नाले नालो की सफ़ाई में सुधार के लिए सुझाव भी दिए। सम्मेलन में आये प्रबुद्ध जनों ने उत्तर प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के हर वर्ग तक पहुंचाने पर मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया, प्रबुद्ध जनों ने एक जुट होकर शहर की स्वच्छता में बदलाव लाने के लिए कठोर निर्णय लेने का अनुरोध महापौर व नगर आयुक्त से किया।

बस ने बाइक सवार बाप-बेटी को रौंदा,बाप की मौत,बेटी घायल

✷ एनसीआर टुडे. अलीगढ़ ✷

थाना हरदुआगंज क्षेत्र में स्कूल से अपनी बेटी को बाइक से छुट्टी होने के बाद घर लेकर जा रहे किसान को लापरवाही पूर्वक तीव्र गति से आ रही बस नक रौंद दिया जिसमें पिता-पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गए।

राहगीरों की मदद से पुलिस ने पंडित दीनदयाल संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां पिता की मृत्यु हो गई और पुत्री का घायलावस्था में उपचार चल रहा है। गांव जटपुरा निवासी किसान धर्मेंद्र सिंह की बेटी रामघाट रोड स्थित मदर्स टच स्कूल में कक्षा 10 में पढ़ती है। आज सोनाक्षी को पिता स्कूल से घर की ओर बाइक से ले जा रहा था।

तालानगरी में बस की चपेट में आकर बाइक सवार पिता की मृत्यु हो गई। जबकि पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गई। थाना हरदुआगंज क्षेत्र के जटपुरा निवासी किसान धर्मेंद्र सिंह रामघाट रोड स्थित मदर्स टच स्कूल से अपनी बेटी व 10वीं कक्षा की छात्रा सोनाक्षी को बाइक से छुट्टी होने पर घर लेकर जा रहे थे।

तभी बस की चपेट में आकर पिता-पुत्री गंभीर रूप से घायल हो गए। जिन्हें राहगीरों की मदद से पुलिस ने पंडित दीनदयाल संयुक्त चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां पिता धर्मेंद्र सिंह की मृत्यु हो गई पुत्री सोनाक्षी का उपचार जारी है।

अयोध्या में दिवाली: दुनिया भर में कहीं से ऑनलाइन जलाएं एक दीया राम के नाम

लखनऊ , एजेंसी। अयोध्या में दीपोत्सव के भव्य आयोजन की तैयारियां आखिरी चरण में हैं। इस साल 26 लाख से अधिक दिए जलाने के साथ ही 2100 श्रद्धालुओं द्वारा सामूहिक महाआरती के विश्व कीर्तिमान बनाने की तैयारी है। वहीं डिजिटल पहल के तहत पर्यटन विभाग ने एक दीया राम के नाम की भी शुरुआत की है। इसमें दुनिया भर में कहीं से भी ऑनलाइन एक दीया नाम के नाम जला सकेंगे।

पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि इसमें ऑनलाइन पंजीकरण कर श्रद्धालु वर्चुअल दीप जलाकर भगवान श्रीराम के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि अयोध्या दीपोत्सव अब वैश्विक स्तर पर लोगों को जोड़ने वाला आयोजन बन गया है। श्रद्धालु दिव्य अयोध्या ऐप के माध्यम से दुनिया भर से डिजिटल दीप जला सकते हैं।

उन्होंने बताया कि इस ऐप पर श्रद्धालुओं के लिए तीन पैकेज उपलब्ध हैं। राम ज्योति में 2100 रुपये का पैकेज है। इसमें रोली, सरयू जल (पीतल के लोटे में), अयोध्या रज, रामदाना, मिश्री, रक्षा सूत्र, हनुमान गढ़ी के लड्डू और चरण पादुका (खड़ाऊ) शामिल है। ऑनलाइन संकल्प पूरा करने पर यह पूरा प्रसाद आपके घर तक पहुंचाया जाएगा।

इसी तरह सीता ज्योति नाम से 1100 रुपये का पैकेज है। माता सीता को समर्पित इस पैकेज में रोली, सरयू जल (पीतल के लोटे में), रामदाना, रक्षा सूत्र और हनुमान गढ़ी के लड्डू शामिल है। वहीं 501 रुपये के लक्ष्मण ज्योति नाम के पैकेज में रोली, अयोध्या रज, रामदाना, रक्षा सूत्र और मिश्री शामिल है। श्रद्धालु ऑनलाइन संकल्प लेकर इस पैकेज को अपने घर पर प्राप्त कर सकते हैं। मंत्री ने बताया कि दिव्य अयोध्या ऐप को गूगल प्ले स्टोर से डाउनलोड कर सकते हैं।

अखिलेश ने सीएम योगी को बताया घुसपैठिया, कहा- उनको उनके राज्य में भेजा जाय; प्रदेश में सियासि उबाल

लखनऊ , एजेंसी।समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने घुसपैठियों को लेकर बात करते हुए यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ पर तंज कसा और उन्हें भी घुसपैठिया बता दिया। सपा अध्यक्ष ने कहा कि हमारे यूपी में भी घुसपैठिए हैं। मुख्यमंत्री खुद उत्तराखंड से हैं। हम तो चाहते हैं कि उन्हें उनके राज्य वापस भेज दिया जाए। अखिलेश के इस बयान पर भाजपा नेताओं ने भी कड़ी प्रतिक्रिया दी है। योगी सरकार में मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने कहा है कि अखिलेश यादव मानसिक रूप से दिवालिया हो गए हैं। इसलिए इस तरह के अनर्गल बयान दे रहे हैं।

अखिलेश यादव घुसपैठियों के सवाल पर पत्रकारों से बात करते हुए यहीं नहीं रुके। उन्होंने कहा कि वे (सीएम योगी आदित्यनाथ) विचारधारा के लिहाज से भी घुसपैठिए हैं। वे भाजपा के सदस्य नहीं थे, बल्कि किसी और पार्टी के सदस्य थे। साथ ही सवाल दागा कि इन घुसपैठियों को कब हटाया जाएगा।

यहां बता दें कि हाल ही में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दावा किया था कि कुछ राजनीतिक दल घुसपैठियों को वोट बैंक की तरह मानते हैं। शाह ने यह सवाल भी उठाया था कि गुजरात और राजस्थान की सीमाओं पर घुसपैठ क्यों नहीं होती। अखिलेश यादव के इस बयान को इसी का जवाब माना जा रहा है।

योगी सरकार के मंत्री ने किया पलटवार : यूपी सरकार में मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि वे अब हताश हो चुके हैं। उनके पास कहने को कुछ नहीं है। मंत्री कपिल देव अग्रवाल ने उनके इस बयान को मानसिक दिवालियापन बताया और कहा कि उनके पास अब कहने को कुछ और नहीं है।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में बड़ा विकास किया है यह अखिलेश की गैर जिम्मेदाराना टिप्पणी है। उन्होंने कहा कि योगी आदित्यनाथ जब अपने गुरु के पास आए थे, तब उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड एक ही राज्य था। आज उत्तराखंड हमारा सिरमौर है। बांग्लादेशी घुसपैठिए रोहिंग्या से योगी आदित्यनाथ की तुलना करना अखिलेश का बौद्धिक दिवालियापन है।

यूपीपीएससी के 400 विशेषज्ञ पैनल से होंगे बाहर, प्रश्नों पर सवाल उठने के बाद आयोग का फैसला

प्रयागराज , एजेंसी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) के 400 विशेषज्ञ पैनल से बाहर किए जाएंगे। उनकी सूची तैयार कर ली गई है। जल्द इस संबंध में आदेश जारी कर दिया जाएगा। प्रश्न पत्र बनाने, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन, किसी सवाल के जवाब पर विवाद के निस्तारण समेत अन्य कार्यों के लिए आयोग में विशेषज्ञों के अलग-अलग पैनल बनाए गए हैं।

आयोग में पैनल में शामिल होने वाले विशेषज्ञों के चयन की नियमावली तो है ही, प्रश्न पत्र एवं उनके जवाब, उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन आदि के लिए भी मानक तय किए गए हैं। इनके अलावा सार्वजनिक स्थलों पर विशेषज्ञों को आचरण एवं व्यवहार के स्तर पर भी परखा जाता है लेकिन आयोग की विगत भर्ती परीक्षाओं में कई तरह की अनियमितता सामने आई है।

अभ्यर्थियों की ओर से सबसे अधिक आपत्तियां पेपर में आए प्रश्न व उनके जवाब को लेकर रहीं। इसके अलावा कॉपियों के मूल्यांकन को भी लेकर भी आपत्तियां रहीं। इसकी वजह से न्यायालय में तो प्रकरण गया ही आयोग को कई बार परिणाम भी बदलने पड़े। इससे पैनल में विशेषज्ञों की भूमिका भी सवाल उठने लगे। इसे देखते हुए आयोग की ओर से 400 विशेषज्ञों को पैनल से बाहर करने का निर्णय लिया गया है।

दुकान पर किया पैनल में शामिल होने का जिक्र, अब होंगे बाहर : इलाहाबाद विश्वविद्यालय के एक शिक्षक आयोग के विशेषज्ञों के पैनल में शामिल हैं। उन्होंने इसका जिक्र एक दुकान पर कुछ लोगों के बीच में कर दिया। मामला संज्ञान में आने के बाद आयोग सख्ती की तैयारी में और उनका नाम पैनल से बाहर किए जाने विशेषज्ञों की सूची में शामिल किया गया है। हालांकि, आयोग की जांच में यह पाया गया कि उन्होंने किसी तरह की गोपनीयता भंग नहीं की है। आयोग के मानक के अनुसार पेपर में ऐसे सवाल नहीं होने चाहिए जिनके जवाब को लेकर अलग-अलग मान्यताएं हों या फिर एक से अधिक जवाब सही हों। सिलेबस एवं प्रश्नों के स्तर को लेकर भी मानक तय किए गए हैं लेकिन कई विशेषज्ञों ने इनसे बाहर जाकर सवाल पूछे।

यूपीएससी व अन्य राज्य आयोगों को भेजी जाएगी सूची : उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग पैनल से बाहर किए जाने वाले विशेषज्ञों से भविष्य में अब कोई काम नहीं लेगा। इसकी शुरुआत भी हो गई है। इसके अलावा यह सूची संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) एवं अन्य राज्य आयोगों को भी भेजी जाएगी।

बेटे की नौकरी के लिए गवां दी जमा पूंजी...कोठियों में काम करने वाली गरीब महिला से ठगी, दर्ज हुआ केस

आगरा , एजेंसी। पुलिस में बेटे की नौकरी लगवाने का लालच देकर पिता-पुत्र ने घरों में साफ-सफाई करने वाली एक महिला को झांसे में ले लिया। उससे 1. 60 लाख रुपये की ठगी कर ली। महिला ने शाहगंज थाने में केस दर्ज कराया है। शाहगंज क्षेत्र के नगला अक्खे में रहने वाली सरोज देवी ने आरोप लगाया कि जगदीशपुरा क्षेत्र के अमरपुरा निवासी संतोष का घर आना-जाना था। वह खुद को भगत बताता है और हर बीमारी के इलाज का दावा करता है। संतोष और उसके बेटे सागर ने एक दिन खुद के दरोगा संजय गौतम से संबंध बताए।

उन्होंने कहा कि तुम्हारा बेटा विष्णु पढ़ा-लिखा है। संजय दरोगा से कहकर इसकी पुलिस विभाग में खाना बनाने पर नौकरी लगवा देंगे। इसके लिए तुम्हें 1. 60 लाख रुपये देने होंगे। सरोज देवी ने बताया कि आरोपियों ने एक दिन संजय दरोगा से फोन पर बात करा दी। मगर उसे नहीं पता कि संजय दरोगा है या नहीं। उसने फोन पर बेटे की नौकरी का वादा किया। वह बोला कि तुम रुपये का इंतजाम कर लो।

उन्होंने दूसरे से रुपये लिए। बेटे विष्णु ने संतोष के कहने पर 99,650 रुपये सात लोगों के क्यूआर कोड पर ऑनलाइल ट्रांजेक्शन किए। बाकी 60 हजार रुपये संतोष को नकद दिए। नौकरी न लगने पर संतोष गुमराह करता रहा। बाद में रुपये लौटाने से मना कर दिया। शाहगंज थाना प्रभारी का कहना है कि पीड़ित की तहरीर पर 10 आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। साक्ष्यों के आधार पर जांच कर कार्रवाई की जा रही है।

जिस किशोरी को पढ़ाया-लिखाया, उसके साथ ही दरिंदगी; आपबीती सुनाते रो पड़ी वो

आगरा , एजेंसी। आगरा के मलपुरा क्षेत्र के एक गांव में आठ साल पहले एक किशोरी को पढ़ाने का झांसा देकर पड़ोसी युवक और उसके परिजन घर ले आए। आरोप है कि युवक ने शादी का झांसा देकर उसका शारीरिक शोषण किया। कई बार गर्भपात भी कराया। उसके दो साल का बेटा भी है। अब उसे पीटकर घर से निकाल दिया है। मामले में पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली 21 वर्षीय पीड़िता ने पुलिस को तहरीर दी। इसमें आरोप लगाया है कि वर्ष 2017 में वह 13 वर्ष की थी। तब पड़ोसी युवक और उसके माताङ्कपिता व अन्य रिश्तेदार पढ़ाने का झांसा देकर उसे अपने घर से ले गए। आरोप है कि युवक ने उससे कई बार शारीरिक संबंध बनाए। इससे वह कई बार गर्भवती हुई। दवाएं खिलाकर गर्भ भी गिराया गया। अब उसके दो साल का बेटा है। अब युवक और उसके घरवाले प्रताड़ित करते हैं। उसे घर से भी निकाल दिया है।

मामले में थाना मलपुरा प्रभारी ने बताया कि आरोपी राजा समेत पांच लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है। सोमवार को पुलिस ने आरोपी राजा को गिरफ्तार भी कर लिया है। खंदौली क्षेत्र के एक गांव की महिला ने मकान मालिक पर गंदी हरकतें करने का आरोप लगाया है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। महिला का आरोप है कि मकान मालिक उसकी ओर गलत नजर रखता है।

अरशद वारसी बोले- मैं एक्सीडेंटल एक्टर हूं... तीस साल और अब के लखनऊ में जमीन-आसमान का अंतर

लखनऊ , एजेंसी। कुछ लोग जन्मजात कलाकार होते हैं और कुछ अपने जुनून से कलाकार बनते हैं लेकिन मैं इत्तेफाक से फिल्म अभिनेता बना। यह कहना है मशहूर बॉलीवुड एक्टर अरशद वारसी का। वे लखनऊ में थे। यहां गोमतीनगर स्थित होटल में उन्होंने बातचीत के दौरान इस बात का खुलासा भी किया कि उन्हें जब पहली बार अमिताभ बच्चन की प्रोडक्शन कंपनी एबीसीएल से फिल्म 'तेरे मेरे सपने' का ऑफर मिला तो उन्होंने पहले उसे मना कर दिया था।

कोरियोग्राफर और डांसर के तौर पर अपने कॅरिअर की शुरुआत करने वाले अरशद ने मुन्ना भाई एमबीबीएस, लगे रहो मुन्ना भाई, सलाम नमस्ते, इश्किया और जॉली एलएलबी जैसी फिल्मों में काम किया। अरशद वारसी ने बताया कि दरअसल मैं अपनी दुनिया में मस्त था और फिल्मों में अभिनय का कोई इरादा नहीं था। कहा, आप कह सकते हैं कि मैं एक्सीडेंटल एक्टर हूं।

कॉमेडी के लिए मशहूर अरशद वारसी ने बताया कि वे इस बार सत्य घटना पर आधारित क्राइम थ्रिलर फिल्म भागवत में इंस्पेक्टर का किरदार निभा रहे हैं। यह फिल्म 17 अक्तूबर को रिलीज हो रही है जिसमें संदीप यादव और आकांक्षा पांडेय समेत लखनऊ के भी कई कलाकारों ने काम किया है। कॉमेडी से सीरियस रोल की तरफ आने के सवाल पर अरशद ने कहा कि मैं एक अभिनेता हूं और रोल के हिसाब से खुद को ढाल लेता हूं। फिल्म निर्देशक अक्षय शेरे और अभिनेता अरशद वारसी रविवार को कैसरबाग कोतवाली भी पहुंचे और पुलिस अधिकारियों से बात की। उन्होंने शहर की कानून व्यवस्था की सराहना की।

मुझे लखनऊ का चिकन और चिकन के कपड़े दोनों ही बहुत पसंद : अरशद वारसी ने कहा कि मैं बहुत पहले से लखनऊ आ रहा हूं। तीस साल पहले और आज के लखनऊ में जमीन-आसमान का अंतर है। अब यहां साफ-सफाई बहुत देखने को मिलती है। कहा, मुझे यहां का चिकन और चिकन के कपड़े दोनों ही बहुत पसंद हैं। जब भी यहां आता हूं तो चिकन के कुर्ते लेकर जाता हूं। अरशद ने कहा कि लखनऊ मेरे दिल के करीब है। मेरी एक फिल्म थी सहर, जिसमें एसएसपी अजय कुमार का मुख्य किरदार मैंने निभाया था। उसकी शूटिंग भी यहीं हुई थी। इसके अलावा एक और फिल्म डेढ़ इश्किया की शूटिंग भी लखनऊ में हुई थी।

अमन सहरावत ने गलती स्वीकारी

- डब्ल्यूएफआई से प्रतिबंध पर पुनर्विचार करने का अनुरोध, बताया वजन कम न कर पाने का कारण

नई दिल्ली, एजेंसी। पेरिस ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता पहलवान अमन सहरावत ने सोमवार (13 अक्टूबर) को भारतीय कुश्ती महासंघ द्वारा उन पर लगाए गए एक साल के प्रतिबंध पर पुनर्विचार करने का अनुरोध किया। सहरावत को जगरेब में विश्व चैंपियनशिप में मुकाबले से पहले वजन कम करने में विफल रहने पर प्रतिबंध लगाया है। शुरुआती मुकाबले से पहले उनका वजन निर्धारित सीमा से 1.7 किलोग्राम अधिक था। भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा आयोजित एक सम्मान समारोह में सहरावत ने स्वीकार किया कि उन्होंने पिछले महीने वजन कम न कर पाने की गलती की थी। इस पहलवान ने कहा कि वह डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष संजय सिंह से मुलाकात करेंगे और उनसे महासंघ के फैसले पर पुनर्विचार करने का अनुरोध करेंगे।

मेरी पहली गलती है, मैं इसे दोहराऊंगा नहीं– सहरावत ने 2024 पेरिस खेलों में 57 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीतने के लिए 50 लाख रुपये के नकद पुरस्कार से सम्मानित होने के बाद कहा, ''मैं उनसे (डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष) मुलाकात कर यह अनुरोध करूंगा। यह मेरी पहली गलती है, मैं इसे दोहराऊंगा नहीं।''

सहरावत को कारण बताओ नोटिस– डब्ल्यूएफआई ने 23 सितंबर को सहरावत से चूक के लिए स्पष्टीकरण मांगते हुए कारण बताओ नोटिस दिया था। महासंघ ने कहा था कि 29 सितंबर को जमा किए गए उनके जवाब को अनुशासनात्मक समिति ने 'असंतोषजनक' पाया। सहरावत ने कहा कि स्पर्धा से एक दिन पहले अचानक पेट दर्द शुरू होने के कारण वह और वजन कम करने का प्रयास जारी नहीं रख पाए।

अचानक मेरे पेट में दर्द होने लगा

अमन सहरावत ने कहा, ''मैंने स्पर्धा एक सप्ताह पहले वजन कम करना शुरू कर दिया था। जब एक दिन बचा था, तब मेरा 600-700 ग्राम (अधिक) वजन रह गया था। यह जिम में आखिरी सेशन था। मेरे पास (कम करने के लिए) 600 ग्राम बचा था।'' उन्होंने कहा, ''मैं अभ्यास कर रहा था लेकिन अचानक मेरे पेट में दर्द होने लगा। मैं सीधे अपने कमरे में चला गया। मैंने सुबह चार बजे उठने की योजना बनाई थी लेकिन पेट का दर्द रात में फिर से बढ़ गया और कुछ दवा लेने के बाद भी यह ठीक नहीं हुआ।''

शुभमन गिल का बड़ा बयान

रोहित-विराट से बस इतना चाहता हूं

नई दिल्ली। वेस्टइंडीज से टेस्ट सीरीज खत्म होते ही टीम इंडिया के कप्तान शुभमन गिल की निगाहें अब ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जम गई है. ऑस्ट्रेलिया दौरे की टीम में चुने किस खिलाड़ी से गिल को क्या चाहिए, इस बारे में भी उन्होंने अपने इरादे जताने शुरू कर दिए हैं. वेस्टइंडीज के खिलाफ पोस्ट मैच प्रजेन्टेशन में शुभमन गिल से विराट कोहली और रोहित शर्मा को लेकर सवाल हुआ, जिसके जवाब में उन्होंने बताया कि बतौर कप्तान उन दोनों सीनियर खिलाड़ियों से उन्हें क्या चाहिए? गिल का ये जवाब एक तरह से रोहित और विराट के लिए टीम के कप्तान की तरफ से क्लियर मैसेज की तरह भी है. **गिल ने रोहित-विराट से की कौन सी डिमांड?–** अब सवाल है कि शुभमन गिल ने ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित-विराट से किस चीज की डिमांड की? उन्होंने पहले तो कहा कि हर कप्तान अपनी टीम में रोहित-विराट जैसा खिलाड़ी चाहता है, जिसके पास 10-15 सालों का अनुभव हो. गिल ने आगे कहा कि मैं उन दोनों को अपने अनुभव का पूरा इस्तेमाल करते हुए देखना चाहता हूं. मैं बस चाहता हूं कि वो मैदान पर उतरकर बस अपना बेस्ट दें. उनका जादू चलता दिखे. भारत का ऑस्ट्रेलिया दौरा 19 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जिसके लिए टीम दिल्ली से 15 अक्टूबर को रवाना होगी. ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भारत को 3 वनडे की सीरीज खेलनी है. रोहित -विराट दोनों ही 2027 वनडे वर्ल्ड कप में खेलने की देख रहे हैं. ऐसे में ऑस्ट्रेलिया दौरे को उनके लिए बड़े मौके की तरह है. ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली वनडे सीरीज में उनका परफॉर्मेन्स ये फैसला करेगा कि उनका करियर किस करवट लेगा.

भारत बनाम वेस्टइंडीज

दिल्ली टेस्ट में 7 विकेट से जीत

- टीम इंडिया ने किया सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत ने वेस्टइंडीज को अरुण जेटली स्टेडियम में खेले गए दूसरे टेस्ट में 7 विकेट से मात देकर सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप कर लिया है। भारत को जीत दिलाने में शतकवीर यशस्वी जायसवाल और कप्तान शुभमन गिल के साथ मुकाबले में कुल 8 विकेट हासिल करने वाले कुलदीप यादव का अहम योगदान रहा। मुकाबले में टॉस जीतकर बल्लेबाजी के लिए उतरी टीम इंडिया ने अपनी पहली पारी 518/5 के स्कोर पर घोषित की। इस पारी में सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल ने 175 रन बनाए, जबकि कप्तान शुभमन गिल ने नाबाद 129 रन की पारी खेली। विपक्षी टीम की ओर से जोमेल वारिकन को 3 सफलताएं हाथ लगीं। इसके जवाब में वेस्टइंडीज पहली पारी में महज 248 रन पर सिमट गई। इस टीम के लिए एलिक एथनाज ने सर्वाधिक 41 रन बनाए, जबकि शाई होप ने 36 रन टीम के खाते में जोड़े। भारत की ओर से कुलदीप यादव ने सर्वाधिक 5 सफलताएं हासिल कीं। रवींद्र जडेजा ने 3 विकेट निकाले।

इसी के साथ भारत ने पहली पारी के आधार पर 270 रन की विशाल बढ़त हासिल करते हुए मेहमान टीम को फॉलोऑन खेलने के लिए मजबूर किया। दूसरी पारी में खराब शुरुआत के बाद वेस्टइंडीज को जॉन कैंपबेल (115) और शाई होप (103) ने संभाला। इनके अलावा, जस्टिन इमलाच ने नाबाद 50 रन बनाकर टीम को 390 रन तक पहुंचाया।

इस पारी में भारत की तरफ से कुलदीप यादव और जसप्रीत बुमराह ने 3-3 सफलताएं हासिल कीं। मोहम्मद सिराज ने 2 विकेट निकाले।

भारत को जीत के लिए 121 रन का आसान टारगेट मिला। लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने महज 9 रन पर यशस्वी जायसवाल (8) का विकेट गंवा दिया। इसके बाद केएल राहुल और साई सुदर्शन ने दूसरे विकेट के लिए 79 रन जोड़ते हुए टीम को जीत के करीब ला दिया, लेकिन साई सुदर्शन (39) के आउट होने के बाद शुभमन गिल (13) के रूप में टीम ने जल्द दो अन्य विकेट गिरा दिए। यहां से केएल राहुल ने अर्धशतकीय पारी खेलते हुए टीम को जीत दिलाई। राहुल 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 58 रन बनाकर नाबाद रहे। इस पारी में वेस्टइंडीज के लिए कप्तान रोस्टन चेज ने 2 विकेट हासिल किए, जबकि जोमेल वारिकन ने 1 विकेट निकाला। भारत ने अहमदाबाद में खेले गए सीरीज के पहले मैच को पारी और 140 रन से अपने नाम किया था।

खिलाड़ियों को मैनेज और टीम का नेतृत्व करना सम्मान की बात : शुभमन गिल

नई दिल्ली, एजेंसी। शुभमन गिल की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 2-0 से क्लीन स्वीप किया। गिल को इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट की कप्तानी सौंपी गई थी, जहां टीम इंडिया ने 2-2 से सीरीज ड्रॉ करवाई। इसके बाद गिल की कप्तानी में भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ क्लीन स्वीप किया है। गिल ने कप्तानी को लेकर कहा, मैं अब इसकी आदत डाल रहा हूं। सभी खिलाड़ियों को मैनेज करना, इस टीम का नेतृत्व करना एक बड़ा सम्मान है। यह किसी भी परिस्थिति में सही विकल्प चुनने के बारे में है। मैं

उस स्थिति में सबसे संभावित निर्णय लेने की कोशिश करता हूं जिसमें हम उस खेल में होते हैं। कभी-कभी आपको एक साहसिक निर्णय लेना पड़ता है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि कौन-सा खिलाड़ी आपको रन या विकेट दिला सकता है। गिल ने वेस्टइंडीज के खिलाफ फॉलोऑन लागू करने पर कहा, हम लगभग 300 रन (270 रन) आगे थे। हमने सोचा कि अगर हम 500 रन भी बना लेते हैं और हमें पांचवें दिन 6 या 7 विकेट लेने हैं, तो यह हमारे लिए एक कठिन दिन हो सकता है। नीतीश रेड्डी को इस सीरीज के दोनों ही मुकाबलों में मौका दिया गया। अहमदाबाद टेस्ट में नीतीश को बल्लेबाजी का मौका नहीं मिल सका, लेकिन उन्होंने चार ओवर गेंदबाजी जरूर की। इसके बाद दिल्ली टेस्ट में उन्होंने पहली पारी में 43 रन बनाए। नीतीश रेड्डी को सीरीज में भरपूर मौके दिए जाने पर कप्तान गिल ने कहा, हम नहीं चाहते कि खिलाड़ी सिर्फ विदेशों में ही मैच खेलें। इससे खिलाड़ियों पर बहुत दबाव पड़ता है। हम कुछ ऐसे खिलाड़ियों को तैयार करना चाहते हैं, जो हमें लगता है कि विदेशों में मैच जीतने में हमारी मदद कर सकते हैं, क्योंकि यह हमारे लिए एक चुनौती रही है। इस सीरीज में गिल ने 50, 129* और 13 रन की पारी खेली। गिल ने अपने प्रदर्शन को लेकर कहा, जब मैं मैदान पर जाता हूं, तो मैं बस एक बल्लेबाज के तौर पर फैसले लेना चाहता हूं।

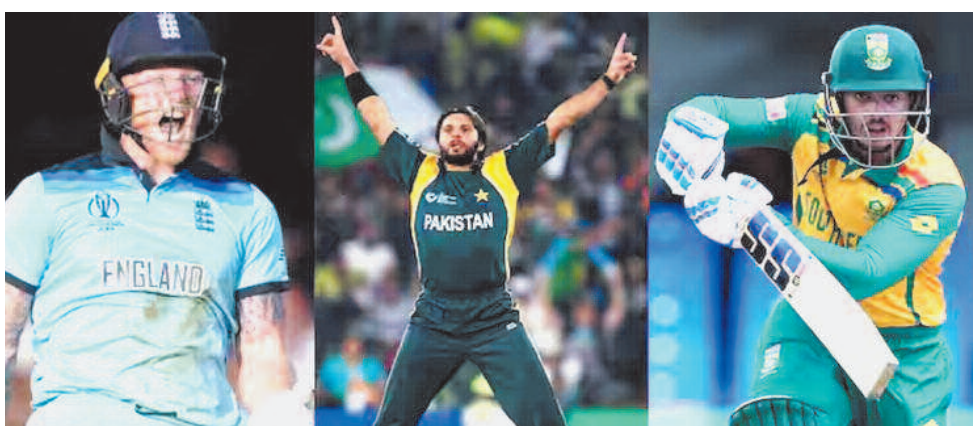

डिकॉक से पहले इन क्रिकेटरों ने भी संन्यास से लिया यू-टर्न

नई दिल्ली, एजेंसी। दक्षिण अफ्रीका के विकेटकीपर बल्लेबाज क्विंटन डिकॉक ने वनडे और टी20 इंटरनेशनल से रिटायरमेंट वापस ले लिया है. डिकॉक ने 2023 के वनडे वर्ल्ड कप में आखिरी वनडे मैच खेला था, उसके बाद संन्यास ले लिया था. वहीं उन्होंने अपना आखिरी टी20 इंटरनेशनल मैच 2024 के टी20 वर्ल्ड कप में खेला और वनडे के तरह टी20 इंटरनेशनल से भी रिटायरमेंट ले लिया था. डिकॉक एक बार फिर से साउथ अफ्रीका के लिए वाइट बॉल फॉर्मेट में खेलने लगे हैं. हालांकि, उन्होंने क्रिकेट के सबसे लंबे फॉर्मेट से अभी भी संन्यास वापस नहीं लिया है. क्विंटन डिकॉक को दक्षिण अफ्रीका की टी20 इंटरनेशनल और वनडे में शामिल कर लिया गया है. डिकॉक ने अब तक 155 वनडे मैचों में 45.74 की औसत और 96.64 के स्ट्राइक रेट से 6770 रन बनाए हैं. डिकॉक को पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए दक्षिण अफ्रीकी टीम में चुना गया है. वहीं वह टी20 इंटरनेशनल सीरीज के लिए भी दक्षिण अफ्रीकी टीम में चयन कर लिया गया है. उन्होंने 92 टी20 इंटरनेशनल मैचों में 2584 रन बनाए हैं.

इंडिया-वेस्टइंडीज टेस्ट

ध्रुव जुरेल ने रचा इतिहास

- ये रिकॉर्ड बनाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के विकेटकीपर-बल्लेबाज ध्रुव जुरेल ने इतिहास रच दिया है। वह पहले भारतीय क्रिकेटर बने हैं जिन्होंने अपने करियर के पहले 7 टेस्ट मैचों में जीत दर्ज की। उन्होंने भुवनेश्वर कुमार का रिकॉर्ड तोड़ा था, जिन्होंने 2013 में अपने पहले 6 टेस्ट मैचों में जीत हासिल की थी। जुरेल ने भारत के लिए अपना टेस्ट डेब्यू 15 फरवरी 2024 को राजकोट में इंग्लैंड के खिलाफ किया था, जिसमें रोहित शर्मा की कप्तानी वाली टीम ने रिकॉर्ड 434 रनों से जीत हासिल की। इसके बाद उन्होंने रांची और धर्मशाला में इंग्लैंड के खिलाफ क्रमशः 5 विकेट और एक इनिंग और 64 रनों से जीत दर्ज की।

ध्रुव जुरेल के पहले 7 टेस्ट और नतीजे

- बनाम इंग्लैंड, 434 रनों से जीत, राजकोट, 15-18 फरवरी, 2024
- बनाम इंग्लैंड, 5 विकेट से जीत, रांची, 23-26 फरवरी, 2024
- बनाम इंग्लैंड, एक इनिंग और 64 रनों से जीत, धर्मशाला, 7-9 मार्च, 2024
- बनाम ऑस्ट्रेलिया, 295 रनों से जीत, पर्थ, 22-25 नवम्बर, 2024
- बनाम इंग्लैंड, 6 रनों से जीत, द ओवल, 31 जुलाई-4 अगस्त, 2025
- बनाम वेस्ट इंडीज, एक इनिंग और 140 रनों से जीत,अहमदाबाद 2-4 अक्टूबर, 2025
- बनाम वेस्ट इंडीज, 7 विकेट से जीत दिल्ली, 10-14 अक्टूबर, 2025

जुरेल अब अगले मैचों में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की अ श्रृंखला में टीम इंडिया के लिए खेलते नजर आएंगे। 24 वर्षीय खिलाड़ी को शुबमन गिल की कप्तानी में ओडीआई टीम में बैकअप विकेटकीपर-बल्लेबाज के रूप में चुना गया है।

सुल्तान ऑफ जोहर कप

भारत और पाकिस्तान की हॉकी टीमों के बीच होगा मैच

- पीएचएफ ने खिलाड़ियों को दी यह सलाह

लाहौर, एजेंसी। पीएचएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को भारतीय टीम की हाथ न मिलाने की नीति के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने को कहा गया है। भारत और पाकिस्तान की हॉकी टीमों के बीच मंगलवार को सुल्तान जोहोर कप का मुकाबला होना है। दोनों टीमों के बीच यह मैच मलयेशिया के जोहर बाहरू में होगा। इससे पहले ही पाकिस्तान हॉकी महासंघ (पीएचएफ) ने अपनी टीम के खिलाड़ियों को सलाह दी है। दरअसल, पिछले कुछ समय से दोनों देशों के बीच रिश्ते तल्ख चल रहे हैं और इसका असर मैदान पर भी देखने मिला है।

टकराव से बचने कहा – पीएचएफ ने अपने खिलाड़ियों से भारतीय खिलाड़ियों के साथ किसी भी तरह के टकराव से बचने की सलाह दी है। पहलगाम में आतंकी हमले के मद्देनजर भारतीय क्रिकेट टीम ने हाल ही में संपन्न एशिया कप के मैचों के दौरान पाकिस्तानी खिलाड़ियों से हाथ नहीं मिलाया था, जिसमें फाइनल भी शामिल था। इससे विवाद पैदा हो गया था और पाकिस्तान ने एशियाई क्रिकेट परिषद और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) में विरोध दर्ज कराया था। पूरी संभावना है कि भारतीय जूनियर हॉकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ मंगलवार को होने वाले मैच में अपनी क्रिकेट टीम की तरह ही रवैया अपनाएगी। पीएचएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि खिलाड़ियों को भारतीय टीम की हाथ न मिलाने की नीति के लिए मानसिक रूप से तैयार रहने को कहा गया है। उन्होंने कहा, खिलाड़ियों से कहा गया है कि अगर भारतीय खिलाड़ी मैच से पहले या बाद में हाथ नहीं मिलाते हैं तो उन्हें अनदेखा कर देना चाहिए और आगे बढ़ जाना चाहिए। उन्हें खेल के दौरान किसी भी तरह के भावनात्मक टकराव से बचने के लिए भी कहा गया है। पाकिस्तान ने अगस्त में बिहार के राजगीर में आयोजित पुरुष एशिया कप के लिए अपनी टीम भारत नहीं भेजी थी।

रणजी 2025-26

ऋषभ पंत की वापसी और नए सितारे होंगे मुख्य आकर्षण का केंद्र

बेंगलुरु, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी के 91वें संस्करण का आज बुधवार से होने जा रहा है, जिसमें ऋषभ पंत की संभावित वापसी और कई नए प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का उभरना मुख्य आकर्षण हैं। इस सीजन में अनुभवी खिलाड़ियों की प्रासंगिकता पर भी सवाल खड़े होंगे। भारत के टेस्ट कैलेंडर और घरेलू क्रिकेट में संतुलन बनाए रखने के इस मौके पर युवा और अनुभवी दोनों ही वर्ग के खिलाड़ी अपनी क्षमता साबित करने के लिए मैदान में उतरेंगे।

पंत की वापसी का इंतजार– जुलाई में मैनचेस्टर में चोटिल होने के बाद पंत मैदान से बाहर थे। दिल्ली की टीम में उनका नाम पहले दौर के लिए शामिल नहीं है, लेकिन अगर बीसीसीआई सेंटर ऑफ एक्सीलेंस हरी झंडी देता है, तो वह दूसरे या तीसरे दौर में वापसी कर सकते हैं। उनके लिए यह रणजी ट्रॉफी महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे उन्हें दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ नवंबर में शुरू होने वाली श्रृंखला से पहले खेल का अनुभव मिलेगा।

नए युवा सितारे तैयार– इस सीजन में कई युवा खिलाड़ियों पर निगाहें हैं, जो अपनी शानदार शुरुआत को आगे बढ़ाने का अवसर तलाश रहे हैं। आर स्मरण (कर्नाटक), आंद्रे सिद्धार्थ (तमिलनाडु), यश ढुल और प्रियांश आर्य (दिल्ली), वैभव सूर्यवंशी (बिहार), आयुष म्हात्रे (मुंबई) और दानिश मालेवार (विदर्भ) जैसे खिलाड़ी बल्लेबाजी में दम दिखा सकते हैं। गेंदबाजी में हर्ष दुबे, एडहेन एप्पल टॉम, मानव सुथार और गुरजपनीत सिंह नई चुनौतियों का सामना करेंगे।